mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-274 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

05 अक्टूबर 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

अहमदाबाद टेस्ट में...

@ पेज 7

महाराष्ट्र में साइक्लोन शक्ति का अलर्ट, 65कि.मी. की रफ्तार से हवा चलेगी

आंध्र में बारिश से 4, ओडिशा में लैंडस्लाइड से 2 की मौत

मुंबई, एजेंसी। गुजरात के कच्छ में खाड़ी और उसके आसपास अरब सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान बन गया है। श्रीलंका ने इसे साइक्लोन शक्ति नाम दिया है। महाराष्ट्र में 3 से 7 अक्टूबर के बीच साइक्लोन शक्ति को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसका असर मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में दिखेगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। हवा की रफ्तार 65 किमी और इससे ज्यादा भी हो सकती है। 5 अक्टूबर तक महाराष्ट्र के तटों पर समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बताया कि शक्ति अरब सागर में मानसून के बाद का पहला चक्रवाती तूफान है। यह साइक्लोन 6 अक्टूबर की सुबह पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा की ओर वापस मुड़ जाएगा, जिससे इसका असर कमजोर हो जाएगा।

दूसरी तरफ, बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरे दबाव का क्षेत्र बनने से आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ आ गई। आंध्र प्रदेश में शुक्रवार को बारिश से जुड़ी तीन घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। ओडिशा के गजपति जिले में लैंडस्लाइड के कारण दो लोगों की जान गई। कई लापता हैं।

समुद्र में 100 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल रहीं : मौसम विभाग ने बताया कि साइक्लोन शक्ति शुक्रवार को आठ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरात तट से दूर द्वारका की ओर बढ़ रहा था। शुक्रवार रात 9:30 बजे तक तूफान का केंद्र द्वारका से लगभग 300 किलोमीटर पश्चिम,

कराची (पाकिस्तान) से 330 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम और पोरबंदर से 360 किलोमीटर पश्चिम में था। साइक्लोन शक्ति शुरू में पश्चिम और फिर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर आगे बढ़ा था। शनिवार सुबह यह एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसके कारण, समुद्र में 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। शक्ति के असर से रविवार तक गुजरात, उत्तरी महाराष्ट्र तट और पाकिस्तान तट पर समुद्र में उथल-पुथल की संभावना है। हालांकि, धीरे-धीरे इसका असर कमजोर पड़ने की संभावना है। गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र में 7 अक्टूबर तक ऊंची समुद्री लहरें, तेज हवाएं और भारी बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र में अधिकारियों को नागरिकों की सुरक्षा का निर्देश IMD ने महाराष्ट्र के कई जिलों, खासकर विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में 7 अक्टूबर तक भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई की है। उत्तरी कोंकण के निचले इलाकों में बाढ़ आने की संभावना है। महाराष्ट्र सरकार ने साइक्लोन शक्ति को लेकर अधिकारियों के लिए निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रशासन को डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम एक्टिव करने, तटीय और निचले इलाकों में नागरिकों को निकालने की प्लानिंग और उनके लिए एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। मछुआरों को 7 अक्टूबर तक गुजरात और महाराष्ट्र में तटों पर अरब सागर में नहीं जाने की चेतावनी है।

कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस सिरप तमिलनाडु के बाद एमपी में बैन

इन्हीं से छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की मौत हुई; कंपनी के सभी उत्पादों पर प्रतिबंध

जबलपुर, एजेंसी। तमिलनाडु के बाद मध्यप्रदेश में भी कोल्ड्रिफ (Coldrif) और नेक्स्ट्रो-डीएस (Ne&tro-DS) कफ सिरप को बैन कर दिया गया है। इन्हीं सिरप की वजह से छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हुई है। सीएम मोहन यादव ने ङ्क पर पोस्ट कर ये जानकारी दी है। स्थानीय डॉक्टर की सलाह पर बच्चों को कोल्ड्रिफ (Coldrif) और नेक्स्ट्रो-डीएस (Ne&tro-DS) कफ सिरप देने की बात सामने आई थी। बच्चों की मौत के बाद जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। अब SIT बनाकर राज्य स्तर पर जांच की जाएगी।

सीएम ने लिखा- आज सुबह जांच रिपोर्ट मिली : सीएम डॉ. मोहन यादव ने ङ्क पर लिखा-

छिंदवाड़ा में Coldrif सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस सिरप की बिक्री को पूरे मध्यप्रदेश में बैन कर दिया है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य प्रोडक्ट की बिक्री पर भी बैन लगाया जा रहा है। सिरप बनाने वाली फैक्ट्री कांचीपुरम में है। इसलिए घटना के संज्ञान में आने के बाद राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार को जांच के लिए कहा था।

सिर्फ छिंदवाड़ा में ही सप्लाई होती थी कोल्ड्रिफ सिरप

खुलासा हुआ है कि जो कोल्ड्रिफ सिरप सप्लाई की गई थी, उन्हें जबलपुर से भेजा गया था। हालात की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर कलेक्टर ने पहले ही COLDRIF SYRUP और Nastro- DS सिरप पर बैन लगा दिया था। छिंदवाड़ा में श्री सन फार्मा कंपनी के मैनेजर की डिमांड पर महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल से इस कफ सिरप की सप्लाई होती थी। खास बात यह है कि कोल्ड्रिफ सिरप के लिए पूरे महाकौशल में सिर्फ छिंदवाड़ा से ही डिमांड आती थी।

राजस्थान के भरतपुर और सीकर में 2 मौतें

राजस्थान में कप सिरप पीने से भरतपुर और सीकर में एक-एक मौतें सामने आईं। शुरुआती जांच में De&tromethorphan hydrobromide syrup ip का नाम सामने आया। यह दवाई एक निजी फार्मा कंपनी कैसंस फार्मा तैयार करती है। यहां भी बच्चों की मौत की वजह किडनी फेल होने की बात बताई गई। इसके बाद शनिवार को सरकार एक्शन में आई। राजस्थान सरकार ने कैसंस फार्मा की सभी 19 प्रकार की दवाइयों पर रोक लगा दी है। राज्य के ड्रग कंट्रोलर राजाराम शर्मा को निलंबित कर दिया।

आज का भारत कौशल को देता है प्राथमिकता :

आईटीआई टॉपर्स को सम्मानित कर पीएम बोले, बिहार को यह तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। पीएम ने कौशल दीक्षांत समारोह 2025 के दौरान 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान पटना से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कहा, कुछ वर्ष पहले हमारी सरकार ने ITI छात्रों के लिए व्यापक स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू की थी। आज इसी परंपरा की एक और कड़ी के साक्षी हम सभी बन रहे हैं। मैं भारत के कोने-कोने से हमारे साथ जुड़ने वाले सभी युवा ITI छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है ।

बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय, नामकरण भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के हजारों युवा हमसे जुड़े हैं। इस पीढ़ी को शायद अंदाज़ा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं। कौन सा माता-पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहां पढ़े और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई... सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी, और हम सब गवाह हैं कि कैसे पूरी NDA टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया... मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है।

नीतीश बोले- आईटीआई पर सरकार के पहल से प्रदेश को होगा फायदा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा, बहुत खुशी की बात है कि आज देशभर के आईटीआई टॉपर्स के लिए कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इन संस्थानों के छात्र और छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए... बिहार में युवा आयोग और जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वास की स्थापना की गई है... इसमें बिहार के युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र और 25 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृति वितरण किया जा रहा है... इससे बिहार के लोगों को बहुत फायदा होगा ।

पीएम मोदी का विजन 2047 तक देश को विकसित बनाना : जयंत चौधरी

केन्द्रीय कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, ...आज एक ऐतिहासिक पल है। 11 साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक पहल की थी। कौशल विकास और उद्यमिता क्षेत्र के महत्व को समझते हुए एक नए विभाग का गठन किया था। उस काम के पीछे जो उनकी सोच और प्रयास था, आज उसी विकास यात्रा में हम सभी साथ मिलकर एक मील का पत्थर मनाने वाले हैं... प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमें हमारे ITI में पढ़ने वाले बच्चों के सम्मान के लिए पहल करनी है। आज हम यहां कुछ चुनिंदा बच्चों को मंच पर बुलाकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सम्मानित करने का काम करेंगे... प्रधानमंत्री मोदी ने विजन दिया कि 2047 तक देश को विकसित होना है... निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित करने की नींव 11 साल पहले ही रख दी थी।

जुबीन के साथी का दावा- उन्हें मैनेजर-ऑर्गेनाइजर ने जहर दिया

हत्या को हादसा दिखाने की साजिश रची; सिंगर हांफ रहे थे फिर भी तैरने भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार उनके बैंडमेट (साथी सिंगर) शेखर ज्योति गोस्वामी ने अपने बयान में चौंकाने वाले खुलासे किए। शेखर ने दावा किया है कि सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और इवेंट ऑर्गेनाइजर श्यामकनु महंत ने उन्हें जहर दिया था। दोनों ने हत्या को हादसा दिखाने की साजिश रची थी। शेखर जुबीन गर्ग की मौत के समय उनके साथ सिंगापुर में था। उसने पुलिस को बताया कि मैनेजर शर्मा पैन पैसिफिक होटल में उसके साथ रह रहा था और जुबीन की मौत से पहले उसका व्यवहार अजीबोगरीब था।

आरोप : राहुल वैसी ही भाषा का इस्तेमाल कर रहे जैसा जाकिर नाइक मलेशिया से करते हैं : निशिकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी विदेश जाकर संविधान पर लंबी-चौड़ी बातें करते हैं और भारत सरकार के खिलाफ बेबुनियाद बयान देते हैं। यह वैसा ही है जैसा जाकिर नाइक मलेशिया से बोलते हैं। खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू कनाडा और अमेरिका से बोल रहे हैं और सैयद सलाहुद्दीन पाकिस्तान से बोल रहे हैं। अगर आप विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी की भाषा का सोरोस फाउंडेशन की मदद लेने वाले राहुल गांधी की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली भाषा से करें, तो दोनों एक जैसे हैं। भाजपा सांसद ने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया कि आप जिस संविधान का हवाला देते हैं उसका पालन खुद क्यों नहीं करते। दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा 1975 में, भाजपा की संस्थापक सदस्य राजमाता सिंधिया ग्वालियर राजघराने की महारानी थीं। ऐसा कोई चुनाव नहीं है जिसमें राजमाता सिंधिया हारी हों।

बिहार विधानसभा चुनाव

भाजपा-आरजेडी की मांग-2 फेज में चुनाव हो, जेडीयू बोली- एक चरण में कराएं

दिलीप जायसवाल ने CEC से कहा- बुर्के वाली महिलाओं की जांच हो

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ज्ञानेश कुमार की राज्य के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक हुई।

पटना के होटल ताज में 3 घंटे चली बैठक में बीजेपी ने 2 फेज में चुनाव कराने की मांग की है। वहीं जदयू ने कहा कि बिहार में लॉ-एंड-ऑर्डर, नक्सल जैसी समस्या नहीं है, इसलिए एक चरण में चुनाव होने चाहिए। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमने मांग की है कि 2 फेज में चुनाव कराए जाएं। क्योंकि ज्यादा फेज होने से मतदाताओं को परेशानी होती है, वहीं उम्मीदवार के ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। बिहार बीजेपी ने चुनाव की घोषणा के 28 दिन बाद चुनाव कराने की मांग की है। दिलीप जायसवाल ने कहा, बुर्का पहनकर वोट देने आने वाली महिलाओं का महिला अधिकारी फोटो मिलान करे। इधर, राजद और LJP (R) ने भी 2 फेज में चुनाव कराने की डिमांड की है।

पैरा मिलिट्री फोर्स तैनात हो : बीजेपी

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, हमारी मांग है कि पहले जितने भी अति पिछड़ा समाज वाले गांव हैं, वहां पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की जाए। दियारा, नदी, तालाब वाले क्षेत्र में घुड़सवार की व्यवस्था की जाए क्योंकि वहां पर बूथ लूटने की ज्यादा संभावना बनती है। हमलोग ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि जो वोटर पर्ची है। वो समय पर मतदाता को पहुंचाया जाए।

सपा डेलिगेशन को बरेली नहीं जाने दिया

इकरा को लौटाया, बर्क के सामने खड़े हो गए इंस्पेक्टर, माता प्रसाद हाउस अरेस्ट

बरेली/लखनऊ, एजेंसी। बरेली में बवाल के 8 दिन बाद पीड़ितों से मिलने जा रहे सपा के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को जाने नहीं दिया गया। दिल्ली से बरेली जा रहे सांसद हरेंद्र मलिक, इकरा हसन और मोहिबुल्लाह नदवी को गाजियाबाद बॉर्डर पर रोका गया। तीनों सांसद करीब 40 मिनट तक अड़े रहे, लेकिन बाद में पुलिस ने उन्हें लौटा दिया।

इकरा हसन ने कहा- यूपी में अघोषित इमरजेंसी दिख रही है। कल कोई आई लव महादेव या आई लव श्रीराम लिखेगा तो किसी को आपत्ति नहीं होगी, तो फिर आई लव मोहम्मद में क्या गलत है? लखनऊ में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को पुलिस ने उनके घर पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क जब बरेली के लिए निकले, तो इंस्पेक्टर राजीव कुमार मलिक

उनके सामने खड़े हो गए। काफी देर तक सांसद जाने पर अड़े रहे, लेकिन पुलिस ने उन्हें घर से बाहर नहीं जाने दिया। बर्क ने कहा- बरेली में जिनको गिरफ्तार किया गया, उनका क्या दोष है? अगर पुलिस के पास कोई सबूत है कि उन्होंने कोई कानून तोड़ा है, तो वे मीडिया में सबूत पेश क्यों नहीं करते फिलहाल, बरेली में आज भी इंटरनेट बंद है। 26 सितंबर को 'आई लव मोहम्मद' मामले को लेकर जुमे की नमाज के बाद बवाल हुआ था। इस मामले में 81 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। अब तक कुल 10 FIR दर्ज की गई हैं। 2,500 उपद्रवियों में से 200 को नामजद किया गया है। पुलिस ने दावा किया था कि बरेली में बवाल की साजिश रची गई थी, जिसका मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा है।

भारत रूस से और एस-400 डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है

एस-500 खरीदने पर भी विचार करेगा; दिसंबर में पुतिन के भारत दौरे के समय डील संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। ऐसे पांच सिस्टम की डील पहले ही हुई थी, जिनमें से 3 भारत को मिल चुके हैं। नई डील इनके अलावा होगी। न्यूज एजेंसी PTI के सोर्स के मुताबिक, दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के समय डील पर बातचीत हो सकती है। यह वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था।

भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। उस समय अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि इस सौदे को आगे बढ़ाने पर वह CAATSA कानून के तहत भारत पर पाबंदी लगा सकता है।

भारत एस-500 मिसाइल सिस्टम खरीदने पर भी विचार कर रहा है। एस-400 और एस-500 दोनों ही मॉडर्न मिसाइल सिस्टम हैं। इसका इस्तेमाल एयर डिफेंस और दुश्मन के हवाई हमलों से बचने के लिए किया जाता है।

एयर चीफ मार्शल बोले थे- भारत जरूरत के हिसाब से सिस्टम खरीदेगा : हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने और स-400 खरीदने के सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था-

एस-400 एक अच्छा हथियार सिस्टम है। इसलिए ऐसे और सिस्टम्स की जरूरत है, लेकिन वे इस पर कुछ और नहीं कहना चाहते हैं। भारत अपनी जरूरत के हिसाब से सिस्टम खरीदने पर विचार कर सकता है। भारत अपने खुद के डिफेंस सिस्टम भी विकसित कर रहा है।

एस-400 डिफेंस सिस्टम क्या है? एस-400 ट्रायम्फ रूस का सबसे एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था। ये सिस्टम फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों तक को मार गिरा सकता है। ये हवा में कई तरह के खतरों से बचाव के लिए एक मजबूत ढाल की तरह काम करता है। दुनिया के बेहद आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में इसकी गिनती होती है।

पराली जलाने पर सख्ती, लापरवाह अधिकारियों पर भी होगी कार्रवाई; वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने जारी किए निर्देश

दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में हवा को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने पराली जलाने पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए सख्त रुख अपनाया है। पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए आयोग ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व यूपी की सरकारों को सख्त निर्देश दिए हैं। आयोग ने जिलाधिकारियों, जिला मजिस्ट्रेटों और उपायुक्तों को उनके क्षेत्राधिकार में पराली जलाने से रोकने में विफल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए अधिकृत किया है।

दरअसल, पराली जलाने से निकला धुआं दिल्ली-एनसीआर की हवा को दमघोंटू बनाता है। मानसून की वापसी और तापमान गिरने के साथ इसका असर भी दिखने लगता है। इसे रोकने के लिए आयोग ने बीते साल 10 अक्तूबर के अपने आदेश को और सख्त बना दिया है। बुधवार को जारी नए आदेश में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश व राजस्थान के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों के जिलाधिकारियों और दिल्ली के जिला उपायुक्तों को पराली जलाने पर रोक लगाने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ अदालत में शिकायत दर्ज करने का अधिकार दिया गया है। इसके दायरे में नोडल और पर्यवेक्षी अधिकारी और थानाध्यक्ष (एसएचओ) आएंगे। इस आदेश से साफ है कि अब पराली जलाने वालों के साथ ही उसे रोकने में नाकाम रहने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। आयोग ने पंजाब, हरियाणा व यूपी सरकार को उनकी कार्ययोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पहले ही वैधानिक निर्देश जारी किए हैं।

घटनाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग अनिवार्य: इसरो की तरफ से विकसित प्रोटोकॉल के आधार पर उपग्रह डाटा का उपयोग कर आग की घटनाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग को अनिवार्य किया गया है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि धान की पराली जलाना पहले से ही निषिद्ध है और इसके उल्लंघन को अधिनियम की धारा-14 के तहत अपराध माना जाएगा।

पंजाब-हरियाणा को कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा: पंजाब और

हरियाणा में धान की कटाई के मौसम के दौरान पराली जलाने की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। आयोग ने इन राज्यों से कड़ी निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। जिला प्रशासन और राज्य सरकारों से अपेक्षा की गई है कि वह पराली जलाने की रोकथाम के लिए निरंतर निगरानी और कठोर जांच बनाए रखें। आयोग ने विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और समीक्षा बैठकों के माध्यम से पराली जलाने की प्रथा को समाप्त करने की दिशा में प्रतिबद्धता को और मजबूत करने पर बल दिया है।

इसलिए जरूरी है यह कदम: हर साल धान की कटाई के समय, खासकर पंजाब और हरियाणा में किसान फसल के अवशेष जलाते हैं, जिससे दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण बढ़ जाता है। पराली का धुआं हवा में जहरीले कणों को बढ़ाता है जिससे सांस की बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। आयोग ने साफ कहा है कि पराली जलाना पूरी तरह गैरकानूनी है और इसे रोकने के लिए हर स्तर पर कड़ी निगरानी जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई: पराली जलाने से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई होने वाली है। इससे पहले, 17 सितंबर को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिकारियों को पराली जलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए, जिसमें गिरफ्तारी भी शामिल है, ताकि सख्त संदेश जा सके। इसके बाद, 60 से अधिक नोडल अधिकारियों, पर्यवेक्षी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, लेकिन किसी के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेटों के समक्ष शिकायत नहीं दर्ज कराई गई।

नशेड़ी चालक ने मातम में बदली आस्था

मूर्ति विसर्जन, मां के जयकारे और दर्दनाक हादसा... दो की टांग कटकर हुई अलग

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में शुक्रवार शाम मूर्ति विसर्जन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक ट्रक पलट गया। हादसे में युवक अनमोल की मौत हो गई जबकि 15 लोग घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को ट्रक से बाहर निकाला।

घायलों में कई की हालत नाजुक है। दो लोगों की टांग कटकर अलग हो गई। स्थानीय लोगों ने निजी वाहन, एंबुलेंस और पीसीआर की मदद से करीब 16 लोगों को बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान 20 साल के अनमोल नामक युवक की मौत हो गई। 15 अन्यों का इलाज जारी है। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि ट्रक का चालक शराब पीकर लापरवाही से ट्रक चला रहा था। अचानक मोड़ पर ट्रक पलट गया और कई श्रद्धालु उसके नीचे दब गए। खुद चालक को भी गंभीर चोट लगी हैं। शाहबाद डेयरी थाना पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है। घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि शुक्रवार शाम के समय शाहबाद

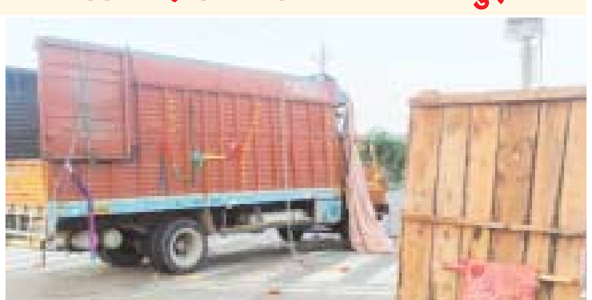

डेयरी इलाके से एक ट्रक में भरकर 40 से 50 लोग खेड़ा स्थित मुनक नहर में मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए गए थे। विसर्जन के बाद सभी लोग उसी ट्रक में सवार होकर वापस लौट रहे थे।जेएनयू छात्र संघ चुनाव से पहले छात्र संगठन सियासी जमीन को मजबूत करन में जुट गए है। दशहरे के दिन जेएनयू परिसर में हुए बवाल को लेकर लेफ्ट और एबीवीपी का एक-दूसरे पर आरोप लगाने का दौर जारी है। जेएनयू छात्र संघ की उपाध्यक्ष मनीषा ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब भी चुनाव नजदीक आते है। एबीवीपी की ओर से ऐसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। जेएनयू में दशहरा और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की परंपरा पहले से चली आ रही है। मगर, जानबूझकर एबीवीपी ने विसर्जन की घटना को धार्मिक रंग दिया। इस बीच जैसे ही ट्रक रोहिणी सेक्टर-28, केवीएस स्कूल के पास पहुंचा, अचानक तेज गति से ट्रक मोड़ने के दौरान पलट गया और कई लोग जख्मी हो गए। हादसे में कई महिलाएं और बच्चे भी हताहत हुए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच कर रही है। जेएनयू के पूर्व छात्रों को रावण के अलग-अलग चेहरों में शामिल किया जबकि उमर खालिद और शरजील इमाम को लेकर कोर्ट की तरफ से कोई फैसला नहीं आया है।

सीबीआई ने एचपीजेड क्रिप्टो करेंसी टोकन धोखाधड़ी मामले में पांच लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने देशभर में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्र-ङ्क के तहत एचपीजेड क्रिप्टोकरेंसी टोकन धोखाधड़ी मामले में सात जगहों पर छापेमारी कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार, तीन अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद और बेंगलुरु में सात स्थानों पर छापेमारी कर आपत्तिजनक डिजिटल सबूत और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए गए। यह मामला 2021 से 2023 तक देश में सक्रिय रहे विदेशी मास्टरमाइंड्स द्वारा भारतीय नागरिकों के साथ मिलकर रची गई एक संगठित आपराधिक साजिश से जुड़ा है।पूरा मामला अंडर ट्रायल है। ऐसे में पूर्व छात्रों के पुतले जलाने कहां तक ठीक है। उसी के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए परिसर के साबरमती टी प्वाइंट पर एकत्रित होने जा रहे थे। इस बीच यह बवाल हो गया।

सीबीआई जांच में सामने आया कि इस अवधि के दौरान ऋण, नौकरी, निवेश और क्रिप्टोकरेंसी योजनाओं के नाम पर आम नागरिकों को ठगा गया। धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए देश में कई फर्जी कंपनियां बनाई गई, जिनका इस्तेमाल म्यूल बैंक खातों

(ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाले मुखौटे खाते) को संचालित करने और ठगे गए धन को इकट्ठा करने के लिए किया गया।

यह राशि बाद में क्रिप्टोकरेंसी में देश के बाहर भेज दी गई। सीबीआई के अनुसार, इन फर्जी कंपनियों को विभिन्न फिनटेक और भुगतान एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स पर पंजीकृत कर, सार्वजनिक धन को एकत्रित और स्थानांतरित करने के लिए इस्तेमाल किया गया। इन संस्थाओं का उपयोग सीमापार अपराध की आय को छिपाने और वैध दिखाने के लिए किया गया।घटना के दौरान दूसरा सिपाही वहां पहुंचा और आरोपी को काबू किया। बाद में आरोपी मयंक (18) को मेडिकल के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सीसीटीवी से पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात को पांडव नगर थाने में तैनात सिपाही ज्ञानेंद्र सिंह क्षेत्र में गश्त पर थे। इस दौरान वह एक-दो ब्लॉक, त्रिलोकपुरी पहुंचे। वहां बीच सड़क पर आरोपी हंगामा कर रहा था। ज्ञानेंद्र ने अपनी बाइक रोकी और आरोपी को शांत करने का प्रयास किया। इस बात पर आरोपी भड़क गया। आरोपी ने सड़क पर पड़ा एक पत्थर उठाया और ज्ञानेंद्र की कोहनी पर मारकर उनको जख्मी कर दिया। बाद में खींचतान कर वर्दी भी फाड़ दी। एजेंसी ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर सक्षम अदालत में पेश किया। वहीं, अन्य संलिप्त व्यक्तियों, कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की पहचान के लिए जांच अभी जारी है।

बंधकों के घर लौटने का इंतजार, शांति प्रस्ताव पर सहयोग के लिए ट्रंप का वैश्विक नेताओं को धन्यवाद

वाशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए उनके शांति प्रस्ताव के समर्थन के लिए विश्व नेताओं को धन्यवाद दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वे बंधकों को घर लौटते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ (बंधकों) की हालत गंभीर हो सकती है। व्हाइट हाउस की ओर से शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो संदेश में, ट्रंप ने शांति समझौते को सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और जॉर्डन जैसे देशों के प्रति आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि कहा कि इसे संभव बनाने के लिए कई लोगों ने बहुत मेहनत की है और यह एक महत्वपूर्ण दिन है।

ट्रंप ने अपने बयान में इन देशों का जताया आभार: अपने

वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा, मैं उन देशों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इसे एक साथ लाने में मेरी मदद की - कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन और कई अन्य। इतने सारे लोगों ने बहुत कड़ा संघर्ष किया। यह एक बड़ा दिन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति समझौता निकट है। कई देश मध्य पूर्व में युद्ध समाप्त करने व शांति स्थापित करने के लिए एकजुट हैं। ट्रंप ने कहा, मैं बंधकों के अपने माता-पिता के पास घर लौटने का इंतजार कर रहा हूं।दुर्भाग्य से, आप जानते हैं कि कुछ बंधक किस हालत में हैं। उनके माता-पिता भी उन्हें उतना ही चाहते हैं जितना कि उस युवक या युवती के जीवित रहते हुए उन्हें चाहतेथे। इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह एक बहुत ही खास दिन है, शायद कई मायनों में अभूतपूर्व।

ट्रंप ने कहा, हमें बहुत अधिक सहायता मिली। हर कोई इस युद्ध के अंत और मध्य पूर्व में शांति हासिल करने की दिशा में एकजुट था, और हम इसे प्राप्त करने के बहुत करीब हैं। ट्रंप की ओर से ट्रुथ पर एक सोशल पोस्ट में की गई टिप्पणी के तुरंत बाद आई।

अपने पोस्ट में ट्रंप ने लिखा था, हमास की ओर से हाल ही में जारी बयान के आधार पर, मेरा मानना है कि वे स्थायी शांति के लिए तैयार हैं। इस्राइल को गाजा पर बमबारी तुरंत रोकनी चाहिए, ताकि हम बंधकों को सुरक्षित और जल्दी से बाहर निकाल सकें! अभी ऐसा करना बहुत खतरनाक है। हम पहले से ही इस पर चर्चा कर रहे हैं कि किन विवरणों पर काम किया जाना है। यह केवल गाजा के बारे में नहीं है, यह मध्य पूर्व में लंबे समय से मांगी जा रही शांति के बारे में है।

जापान की सत्ताधारी पार्टी की अध्यक्ष चुनी गईं साने ताकाइची

देश की पहली महिला पीएम बनेंगी

टोक्यो, एजेंसी। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी ने शनिवार को पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुन लिया, जिसके साथ ही उनके देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। ताकाइची ने सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा कराए गए अंतर-दलीय मतदान में कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी को हराया, जो पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे हैं।

एक मजबूत सेना की समर्थक हैं ताकाइची: साने ताकाइची की छवि एक अति-रूढ़िवादी नेता की है। 64 वर्षीय साने ताकाइची, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर की प्रशंसक हैं और जापान के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के रूढ़िवादी दृष्टिकोण की समर्थक मानी जाती हैं। लिबरल डेमोक्रेट्स

पार्टी एक पुरुष प्रधान पार्टी है और ताकाइची इस पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। ताकाइची साल 1993 में पहली बार अपने गृहनगर नारा से सांसद चुनी गई थीं। उन्होंने आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता मंत्री सहित कई अहम सरकारी पदों पर काम किया है। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आव्रजन पर सख्त नीति की समर्थक हैं।

ट्रंप की अपील दरकिनार कर गाजा पर इस्राइल का हमला

6 मरे, हमास ने कहा- हम समझौते पर बातचीत को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। हमास ने गाजा शांति समझौते पर बातचीत शुरू करने पर अपनी सहमति दे दी है। संगठन ने शनिवार को कहा कि वह समझौते के सभी शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता शुरू करने के लिए तैयार है। इसका प्रस्ताव इस सप्ताह के शुरू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रखा था।

हमास की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इस्राइल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अपील को दरकिनार कर गाजा पट्टी पर ताजा हवाई हमले किए हैं। इस बीच, अमेरिका तनाव कम करने के प्रयास जारी रखे हुए है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक

हमले में गाजा शहर के एक घर में चार लोग मारे गए, जबकि दूसरे हमले में दक्षिण में खान यूनिस में दो अन्य लोग मारे गए।हमास ने पहले संकेत दिया था कि उसने प्रस्तावित योजना के कुछ तत्वों को स्वीकार कर लिया है। इसका मकसद को रोकना और 7 अक्तूबर 2023 के हमले के दौरान पकड़े गए सभी शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है।

बंधकों के घर लौटने का इंतजार: डोनाल्ड ट्रंप: दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए उनके शांति प्रस्ताव के समर्थन के लिए विश्व नेताओं को धन्यवाद दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वे बंधकों को घर लौटते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ (बंधकों) की हालत गंभीर हो सकती है।

व्हाइट हाउस की ओर से शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो संदेश में, ट्रंप ने शांति समझौते को सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और जॉर्डन जैसे देशों के प्रति आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि कहा कि इसे संभव बनाने के लिए कई लोगों ने बहुत मेहनत की है और यह एक महत्वपूर्ण दिन है।

ट्रंप ने अपने बयान में इन देशों का जताया आभार: अपने वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा, मैं उन देशों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इसे एक साथ लाने में मेरी मदद की - कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन और कई अन्य। इतने सारे लोगों ने बहुत कड़ा संघर्ष किया। यह एक बड़ा दिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति समझौता निकट है। कई देश मध्य पूर्व में युद्ध समाप्त करने व शांति स्थापित करने के लिए एकजुट हैं। ट्रंप ने कहा, मैं बंधकों के अपने माता-पिता के पास घर लौटने का इंतजार कर रहा हूं।दुर्भाग्य से, आप जानते हैं कि कुछ बंधक किस हालत में हैं। उनके माता-पिता भी उन्हें उतना ही चाहते हैं जितना कि उस युवक या युवती के जीवित रहते हुए उन्हें चाहतेथे। इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह एक बहुत ही खास दिन है, शायद कई मायनों में अभूतपूर्व।

इस बार दिल्लीवासियों के लिए सुंदर छठ रहने वाली है सीएम रेखा गुप्ता ने किया यमुना नदी का निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को लक्ष्मी नगर क्षेत्र स्थित यमुना नदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यमुना छठ घाट का जायजा लेते हुए तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार वर्षों बाद दिल्लीवासी यमुना किनारे छठ पर्व मना सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ व्रतियों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना छठ घाट पर कहा, ÷इस बार वर्षों बाद यमुना किनारे छठ पूजा मनाई जाएगी। सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि इस बार दिल्ली के छठ व्रतियों को एक ऐतिहासिक छठ पर्व मनाने का मौका मिले। इस बार दिल्लीवासियों के लिए सुंदर छठ रहने वाली है।÷

रूट को लेकर हुआ भयंकर झगड़ा, डीटीसी बस मार्शल ने कंडक्टर की उंगली काटी

दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली में इलेक्ट्रिक बस के रूट को लेकर हुए झगड़े में एक डीटीसी बस मार्शल ने कंडक्टर की उंगली काट ली। उसके बाद आरोपी मार्शल मानसिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह घटना 28 सितंबर की शाम को हुई जब मुनिरका निवासी कंडक्टर जितेंद्र कुमार पुनिया (34) नोएडा के सेक्टर 62 और धौला कुआं के बीच चलने वाली एक बस में ड्यूटी पर थे। पुनिया 2019 से डीटीसी में अनुबंध के आधार पर काम कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि बस चालक और मार्शल इलेक्ट्रिक बस को लाजपत नगर रिंग रोड फ्लाईओवर से ले जाना चाहते थे, जबकि कंडेक्टर जितेंद्र समानांतर सड़क से जाने पर अड़े थे। इसी बात पर बहस हो गई। शाम करीब साढ़े पांच बजे नेहरू नगर के पास बस भारी ट्रैफिक में फंस गई, जिससे काफी देरी हुई। शाम करीब साढ़े छह बजे बस धौला कुआं टर्मिनल पहुंची तो झगड़ा और बढ़ गया। ड्राइवर चाय पीने चला गया, जबकि पुनिया खाना खाने के लिए बस में ही बैठे रहे। इसी दौरान मार्शल मानसिंह कथित तौर पर उनके पास आया और गालियां देते हुए बहस शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि जब पुनिया ने विरोध किया तो मार्शल ने उन पर हमला कर दिया और मारपीट के दौरान उनके बाएं हाथ की मध्यमा उंगली को इतनी ज़ोर से काटा कि उसका सिरा अलग हो गया। कंडक्टर की चीख-पुकार सुनकर टर्मिनल पर मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े। उन्हें आरोपी की गिरफ्त से छुड़ाया। उसके बाद पुनिया ने शाम 7.46 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को फ़ोन किया उसके बाद पीसीआर वैन उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गई। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी उंगली काट दी है। घटना वाले दिन पुनिया तेज़ दर्द के कारण पूरा बयान नहीं दे पाए थे। अगले दिन उनकी विस्तृत शिकायत दर्ज की गई। उसी आधार पर साउथ कैंपस पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

आरोपी ने अलग पीसीआर कॉल की थी: पुलिस को शाम 6.48 बजे मानसिंह की ओर से भी एक अलग पीसीआर कॉल मिली। इसमें आरोपी ने कहा कि कंडक्टर उससे झगड़ा कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि चिकित्सकीय रिपोर्ट में मानव काटने से गंभीर चोट लगने की पुष्टि हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। संबंधित बस मार्शल को उसके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली एयरपोर्ट पर टर्मिनल बदलने की तैयारी

दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में अपने घरेलू उड़ानों के टर्मिनल बदलने की योजना बनाई है।

26 अक्तूबर से एअर इंडिया 60 दैनिक घरेलू उड़ानों को टर्मिनल-2 (टी-2) में शिफ्ट करेगी, जबकि एअर इंडिया एक्सप्रेस अपनी सभी घरेलू उड़ानों को टर्मिनल-1 (टी-1) में ले जाएगी। यह बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि टर्मिनल-3 (टी-3) में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए जगह बढ़ाने का काम चल रहा है। टी-3 की क्षमता में कमी के कारण कुछ घरेलू उड़ानों को टी-2 और टी-1 में स्थानांतरित करना जरूरी हो गया है। दिल्ली एयरपोर्ट में तीन टर्मिनल हैं ङ्क टी1, टी2 और टी3। टी2 का नवीनीकरण कार्य पूरा हो चुका है और यह 26 अक्टूबर से फिर से खुल जाएगा। एअर इंडिया की टी2 से उड़ानों के फ्लाइट नंबर चार अंकों में बदले गए ़ एअर इंडिया की टी2 से उड़ानों के फ्लाइट नंबर चार अंकों में बदल दिए गए हैं, जो 1 से शुरू होते हैं, जैसे एआई1ङ्कङ्कङ्क। जिन यात्रियों की उड़ान अभी भी टी3 से है, उन्हें कनेक्टिंग फ्लाइट के लिए सही टर्मिनल चेक करने की सलाह दी जाएगी। ऑनलाइन चेक-इन करने वाले यात्रियों को भी टी2 से उड़ान के लिए नोटिफिकेशन मिलेगा। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें टी3 से जारी रहेंगी।

प्रेमी को गुस्सा आया :शादी का प्रस्ताव ठुकराया तो महिला के तीन वर्षीय बच्चे का अपहरण

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कृष्णानगर से एक पड़ोसी द्वारा अपहृत तीन वर्षीय बच्चे को गुजरात के एक रेलवे स्टेशन से बचा लिया गया है। गुजरात रेलवे पुलिस के तालमेल से चलाए गए अंतरराज्यीय अभियान के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पीड़ित बच्चे की मां के सामने शादी का प्रस्ताव रखा था। जब मां ने प्रस्ताव ठुकरा दिया तो आरोपी ने बच्चे का अपहरण कर लिया था। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत प्रिय गौतम ने बताया कि 15 सितंबर को एक मामला दर्ज कराया गया था। गांधी नगर निवासी एक महिला ने शिकायत की थी कि पड़ोसी सुधीर कुमार ठाकुर इलाज के बहाने उसके बेटे को धोखे से अपने साथ ले गया है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि ठाकुर से करीब दो महीने पहले उसकी दोस्ती हुई थी और एक महीने पहले उसने शादी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि उसने अपने बच्चे और छोटी बहनों की जिम्मेदारी का हवाला देते हुए ठाकुर के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शादी से इन्कार करने पर नाराज आरोपी ने 14 सितंबर को बच्चे का अपहरण कर लिया। शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए तुरंत एक टीम गठित की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए इलाके के 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों का विश्लेषण किया गया। उसकी कॉल डिटेल से जानकारी मिली कि वह ट्रेन से बिहार जा रहा है। इसके बाद टीम बिहार के आरा भेजी गई लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदलता रहा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को तब सफलता मिली जब शिकायतकर्ता सोशल मीडिया पर वीडियो कॉल के जरिये आरोपी से संपर्क करने में कामयाब रही। बातचीत के दौरान दिखा कि आरोपी सूरत रेलवे स्टेशन पर है।

सूरत जीआरपी की मदद से पकड़ा आरोपी

पुलिस उपायुक्त गौतम ने बताया कि इसके बाद एक टीम सूरत भेजी गई और जीआरपी के साथ समन्वय किया गया। टीम ने सूरत रेलवे स्टेशन से ठाकुर को पकड़ लिया और अपहृत लड़के को बचा लिया। बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर उसे परिवार को सौंप दिया गया। आरोपी को सूरत की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से दिल्ली पुलिस ने उसकी ट्रांजिट रिमांड ली। उन्होंने बताया कि बाद में आरोपी को दिल्ली की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सिंगरौली के नवागत कलेक्टर गौरव बेनल ने संभाला पदभार

बोले- योजनाओं का लाभ लोगों को मिले, समस्याओं का समय पर निराकरण का प्रयास रहेगा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली **(निप्र)।** जिले के नए कलेक्टर गौरव बेनल ने शनिवार शाम पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का समय पर और बेहतर क्रियान्वयन प्राथमिकता होगी, ताकि पात्र व्यक्तियों को उनका लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर विशेष ध्यान रहेगा। किसी भी शिकायत की सुनवाई कर समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बेहतर बनी रहे, क्योंकि सिंगरौली एक औद्योगिक क्षेत्र है।

समय पर समस्या का निराकरण होना चाहिए: उन्होंने जोर दिया कि जिले में किसी भी मुद्दे का सही और समय पर निराकरण होना चाहिए, ताकि कोई भी कार्य बाधित न हो। ऐसी समस्याओं का समाधान आपसी बातचीत से किया जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने पर्यावरण के साथ-साथ अन्य स्थानीय मुद्दों को भी गंभीरता से लेने की बात कही।

गौरव बेनल 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। सिंगरौली जिले में यह उनकी बतौर कलेक्टर पहली पदस्थापना है। इससे पहले वे इंदौर में दो साल तक अपर कलेक्टर के रूप में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने स्मार्ट सिटी भोपाल, खरगोन जिला पंचायत सीईओ और भिंड जिले में भी अपनी सेवाएं दी हैं। कलेक्टर ने कहा कि मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पदभार ग्रहण करने के बाद शाम को उन्होंने जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिले की भौगोलिक स्थिति, उद्योग-व्यवसाय और कानून व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कार्य प्राथमिकताओं से अवगत कराया।

बाणसागर नहर में मिला युवक का शव, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई; पत्नी पर शक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र में बाणसागर नहर से शनिवार को एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान अमिलिया थाना क्षेत्र के पिपरहा निवासी मणिराज पटेल (32) के रूप में हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच में जुट गई है।

ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम खोरबा गांव के पास नहर में शव देखा, जिसके बाद कमर्जी पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मणिराज 2 अक्टूबर को दुर्गा विसर्जन के लिए घर से निकला था और तब से लापता था। मृतक के परिजनों ने मणिराज की हत्या का आरोप लगाया है। उनके अनुसार, शव पर चोट के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं।

पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया: मृतक के बड़े बाबा रामाश्रय पटेल ने बताया कि यह हत्या का मामला है। परिवार के सदस्यों ने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले मणिराज की पत्नी को एक युवक के साथ संदिग्ध स्थिति में घर पर पकड़ा गया था। इस मामले की शिकायत अमिलिया थाने में की गई थी, जहां पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर घर भेज दिया था। इस घटना के बाद से मणिराज मानसिक रूप से परेशान था।

जांच के बाद खुलेगा मामला: कमर्जी थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी और शव को नहर से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह हत्या है या आत्महत्या, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

भृत्य बना गुंडा, प्राचार्य पर किया प्राणघातक हमला; पांच दिन बाद भी नहीं हुई गिरफ्तारी : चोटीवाला

मीडिया ऑडीटर रीवा (निप्र)। जिले का शिक्षा विभाग शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि गुंडे-मवालियों का अखाड़ा बन चुका है, जिसमें जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन तमाशबीन बना हुआ है। यह आरोप सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ पटेल चोंटीवाला ने लगाया है। उन्होंने बताया कि शा.उ.मा.वि. हर्दी कपसा में पदस्थ भृत्य राकेश शुक्ला ने अपने पुत्र रोहित शुक्ल, मुकेश शुक्ल, और ओमप्रकाश शुक्ल के साथ मिलकर विद्यालय के प्राचार्य रामायण भुर्तिया पर प्राणघातक हमला किया। सूत्रों के मुताबिक, प्राचार्य ने विद्यालय की साफ-सफाई के लिए भृत्य राकेश शुक्ला को कहा, जिससे नाराज़ होकर वह अपने पुत्रों के साथ प्राचार्य पर टूट पड़ा और गंभीर मारपीट की।

इतना ही नहीं, उन्होंने प्राचार्य के कक्ष में रखे सरकारी दस्तावेजों को फाड़कर छतिग्रस्त कर दिया। इस घटना की रिपोर्ट पर थाना सेमरिया में अपराध क्रमांक 0656/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है, लेकिन घटना के 5 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी राकेश शुक्ला और उसके पुत्रों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इससे क्षेत्र में आक्रोश और दहशत का माहौल बना हुआ है। पटेल ने सवाल उठाया कि क्या जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के संरक्षण में ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति के कर्मचारी खुलेआम घूम रहे हैं? उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों का निलंबन नहीं, बल्कि बर्खास्तगी और गिरफ्तारी होनी चाहिए।

दुर्गा विसर्जन में डूबे युवक का शव मिला, महानदी में 50 घंटे बाद घटनास्थल से 2 किमी दूर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत कुकरावं में दुर्गा विसर्जन के दौरान महानदी में डूबे युवक दिलीप रजक का शव 50 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। उसका शव घटनास्थल से लगभग 2 किलोमीटर दूर महानदी में मिला।

यह घटना तिनगुड़ी पुलिस चौकी क्षेत्र के कुकरावं में हुई थी, जहां करीब 18-20 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा था। विसर्जन के दौरान कुछ युवक पुल से महानदी में छलांग लगा रहे थे। दिलीप रजक (निवासी मोख्खा टोला, बरगवां) भी इनमें शामिल था। वह गहरे पानी में डूब गया और ऊपर नहीं आ सका।

दो दिन चलाया तलाशी अभियान: पुलिस के अनुसार, उस स्थान पर दुर्गा विसर्जन प्रतिबंधित था। देवसर भाजपा विधायक राजेंद्र मेश्राम और भाजपा मंडल अध्यक्ष रामधनी यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे। तत्काल एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया और दो दिनों तक सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

लगातार बारिश और नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण तलाशी अभियान में बाधाएं आईं। एनडीआरएफ की टीम को सफलता नहीं मिली, लेकिन पुलिस ने हार नहीं मानी।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस देवसर गायत्री तिवारी, थाना प्रभारी सरई निरीक्षक जितेंद्र सिंह भदौरिया, थाना प्रभारी माड़ा निरीक्षक शिवपूजन मिश्रा, तिनगुड़ी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अमन वर्मा और बरका चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक नृपेंद्र सिंह सहित पुलिस बल लगातार खोजबीन में जुटा रहा।

तेज बहाव के कारण बहा था: तेज बहाव के कारण रात में शव घटनास्थल से 2 किलोमीटर दूर बह गया था। अंततः 50 घंटे बाद शव बरामद कर लिया गया। घटना के बाद से मृतक के परिजन घटनास्थल पर ही मौजूद थे। ग्राम पंचायत तिनगुड़ी की सरपंच प्रेमलता गुप्ता ने एनडीआरएफ टीम और मृतक के परिजनों के लिए रहने-खाने की व्यवस्था की।

बायोफ्यूलसर्कल ने मध्य प्रदेश में नए बायोमास बैंक शुरू कर किसानों से संबंध मजबूत किए

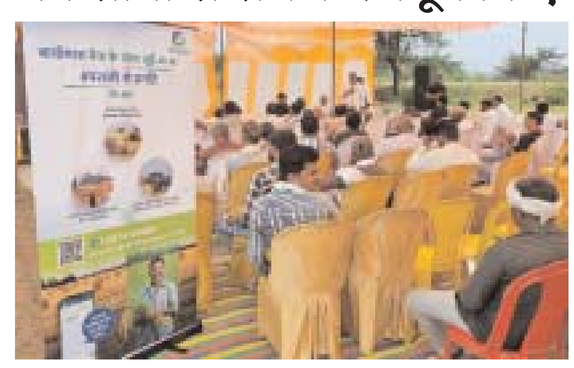

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत की अग्रणी डिजिटल बायोएनर्जी सप्लाई चेन प्लेटफॉर्म बायोफ्यूलसर्कल ने मध्य प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर अपनी पहुँच बढ़ाई है, ताकि बायोमास संग्रहण के लिए एक सस्टेनेबल इकोसिस्टम बनाया जा सके। कंपनी ने आज सतना जिले के नागोद तहसील में मधिकला ग्राम पंचायत के अंतर्गत मधिकला बायोमास बैंक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, बायोफ्यूलसर्कल ने 50,000 मीट्रिक टन धान की पराली एकत्र करने का लक्ष्य रखा है और इसके लिए 12,000 से अधिक किसानों से जुड़ रहा है।

कंपनी इस फसल सीजन में पूरे देश में 2 लाख से अधिक किसानों के साथ मिलकर 6.5 लाख मीट्रिक टन बायोमास एकत्र करने का प्रयास कर रही है। बायोफ्यूलसर्कल ने कहा कि वे मशीनरी आधारित कटाई, फसल अवशेष प्रबंधन और किसानों के लिए वैकल्पिक आय के स्रोत को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की पहल के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस उद्घाटन समारोह में सरकारी अधिकारियों ने भी भाग लिया, जहां पराली जलाने को कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में हरित आजीविका बढ़ाने पर जोर दिया गया।

सुहास बक्सी, को-फाउंडर और चेयरमैन, बायोफ्यूलसर्कल ने कहा, हम केवल इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बना रहे हैं, बल्कि एक डिजिटल रूप से सक्षम इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को जोड़ता है। हमारा उद्देश्य बायोमास को ग्रामीण भारत की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है।

6 गायों की जहर से मौत की आशंका, लोग बोले- कुछ खिलाया; पोस्टमॉर्टम के बाद वेटनरी डॉक्टर ने भी की पुष्टि

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सराई इलाके में छह गायों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों ने जहर देकर मारने की आशंका जताई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

बरका चौकी क्षेत्र के जंगल में चरने गई गायों की अचानक मौतें होने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तत्काल गौशाला प्रबंधक और ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को सूचित किया। इसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया।

पशु चिकित्सा टीम ने मृत गायों का मौके पर ही पोस्टमॉर्टम किया। पशु चिकित्सा अधिकारी अनामिका विश्वकर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में सभी गायों की मौत जहर से होने की आशंका है। सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा।

गांव के ही रहने वाले पर आरोप: प्रत्यक्षदर्शी आत्माराम वैश्य ने बताया कि सुबह तकरीबन छह बजेएक व्यक्ति मोटरसाइकिल से आया। वो गांव का ही रहने वाला हैष पहले वह जंगल विभाग में चौकीदार था। उसे पैसहवा नाम से गांव के लोग बुलाते हैं। वो साकेत परिवार से है। मेरे घर के पास 20 से 25 गोवंश बैठे थे। गायों के को उसने महुआ, यूरिया और नमक जमीन पर डाल दिया। जैसे ही गौवंश ने यह खाया तो कुछ गए गिरने लगी। मैंने नजदीक जाकर देखा तो कुछ गाय यही महुआ यूरिया और नमक खा रही थीं। इसके बाद मैंने बाकी मवेशियों को वहां से हटाया। तब तक छह गायों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची: सराई थाना प्रभारी जितेंद्र भदोरिया ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर मौजूद है। अज्ञात कारणों से जानवरों की मौत हुई है। ग्रामीणों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यदि किसी ने जानबूझकर जहरीला पदार्थ खिलाया है, तो पुलिस वैधानिक कार्रवाई करेगी।

कोठार पंचायत में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

सरपंच-सचिव पर ग्रामीणों ने लगाए आरोप, अब प्रशासन कराएगा जांच

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की जनपद पंचायत सीधी के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोठार में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सरपंच सुनीता सिंह और सचिव देवेंद्र तिवारी पर दबंगई से अतिक्रमण कराने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विरोध करने पर क्षेत्रीय अपराधियों के माध्यम से धमकियां दी जा रही हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल है।

सामाजिक कार्यकर्ता दीपक तिवारी %दीपू% ने बताया कि सरपंच और सचिव लंबे समय से पंचायत में भ्रष्टाचार कर रहे हैं। अब वे सरकारी जमीन पर कब्जा करवा रहे हैं। जब उन्होंने और कुछ ग्रामीणों ने इसका विरोध किया, तो उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

दीपक तिवारी ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में सरपंच सुनीता सिंह, सचिव देवेंद्र तिवारी और राजस्व विभाग के चपरासी दामोदर तिवारी की मिलीभगत है। सरपंच पति अनेंदे सिंह और सौरभ सिंह बाबा पर फोन पर धमकियां देने का भी आरोप है।

ग्रामीण सौरव तिवारी ने बताया कि सड़क किनारे की कीमती जमीन, जिसका उपयोग स्कूल या अन्य विकास कार्यों के लिए हो सकता था, उस पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। इससे न केवल सरकारी जमीन का नुकसान हो रहा है, बल्कि गांव के विकास कार्य भी बाधित हो रहे हैं।

इस मामले में जनपद पंचायत सीधी के सीईओ चंदूलाल पनिका ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच करवाई जाएगी और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दू धर्म परिषद और रिदम म्यूजिकल ग्रुप के आयोजन का पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर रीवा (निप्र)। बैद्य बटुक प्रसाद त्रिपाठी एवं नारायण डिगवानी द्वारा 1999 में पदमधर पार्क के नवदुर्गा गरबा महोत्सव का आज जो विशाल रूप देखा है उसमें लंबे समय का संघर्ष साकार हुआ है।

हिन्दू धर्म परिषद और रिदम म्यूजिकल ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित भगवती जागरण में जिस तरह सतना से आये अरविंद भदौरिया और सीधी से आई सुरभि अवधिया के देवी गीतों पर गरबा कलाकारों ने अपनी यादगार प्रस्तुतियाँ दी है उससे साबित होता है कि विंध्य क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नही है उनको विशाल मंच मिलने पर वो सभी अपना कमाल दिखा सकते है।

सिंगरौली से कलेक्टर सहित तीन अधिकारी विदा, जिला पंचायत सीईओ और एसडीएम राजेश शुक्ला का ट्रांसफर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले से स्थानांतरित हुए कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश और माड़ा एसडीएम राजेश शुक्ला को सोमवार शाम विदाई दी गई। एनटीपीसी के सूर्य भवन में आयोजित एक समारोह में जिला अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्थानांतरित कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने उपस्थित अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिस तरह सभी ने जिले के विकास में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर इसे अव्वल बनाया है, और राजस्व प्रकरणों के निराकरण और सीएम हेल्पलाइन सहित कई कार्यों में प्रदेश में अव्वल स्थान बनाए रखा है, उसी तरह आगे भी कार्य करते रहें। इससे जिले की पहचान प्रदेश स्तर पर बनी रहेगी।

एसपी ने दी शुभकामनाएं: जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश ने भी अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विकास कार्यों में सहभागिता और सामंजस्य से कार्य करने की प्रेरणा दी। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने भी विदा ले रहे कलेक्टर को शुभकामनाएं दीं और जिले के लिए किए गए कार्यों को साझा किया।

विदाई समारोह में एसडीएम सृजन वर्मा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम अखिलेश सिंह, सुरेश जाधव, एसडीओपी सिंगरौली गौरव पाण्डेय, माड़ा एसडीएम नंदन तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सौरभ मिश्रा, देवेंद्र द्विवेदी सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, सभी तहसीलों के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एनसीएल, एनटीपीसी सहित विभिन्न औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधिगण भी मौजूद थे।

गौ सेवा केंद्र में जलभराव, बछड़े की मौत

गौ सेवकों ने गोद में उठाकर बचाए गोवंश, वीडियो सामने आया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के पशु चिकित्सालय परिसर स्थित गौ सेवा संस्थान में बारिश का पानी भर जाने से एक बछड़े की डूबकर मौत हो गई। गौ सेवा संस्थान चलाने वाली एक महिला ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है।

साझा किए गए वीडियो में गौ सेवक जलमग्न परिसर में पशुओं को बचाने का प्रयास करते दिख रहे हैं। वे गोवंश को गोद में उठाकर पानी के बीच खड़े हैं। वीडियो में पीछे से एक महिला की आवाज सुनाई दे रही है, जो बता रही है कि यहां अक्सर इसी तरह पानी भर जाता है।

महिला ने यह भी कहा कि इस समस्या के बारे में कई बार अधिकारियों को सूचित किया गया और निराकरण की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। यह वही गौ सेवा संस्थान है जहां हाल ही में प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह ने दौरा किया था और संस्थान चलाने वालों की सराहना की थी।

इस मामले पर नगर निगम कमिश्नर सविता प्रधान ने कहा कि पशु चिकित्सालय परिसर में एक छोटी गौशाला चल रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें इसकी पूरी जानकारी नहीं है क्योंकि यह परिसर पशु चिकित्सालय विभाग का है। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि पानी भरने से किसी मवेशी की मौत हुई है या कोई समस्या है, तो नगर निगम अपनी जिम्मेदारी समझते हुए व्यवस्था को ठीक करने का प्रयास करेगा।

'स्वदेशी' महज एक नारा

संपादकीय

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ के इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया गया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है? हमारा मानना है कि वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं हैं। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपए का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपए का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपए और आयात 61 लाख करोड़ रुपए का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपए का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब 6 लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। जब भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है? भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करनी चाहिए थी।

कब होगा नकद पुरस्कार वितरण समारोह?

भूपिंद्र सिंह

हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में ड्रिल व खेलों के लिए एक पीरियड जो वर्षों पहले पढ़ाई के नाम पर खत्म कर दिया था, अब फिर से शुरू तो जरूर कर दिया है, मगर वह मैदान की जगह कक्षा के कमरे में चल रहा है। साथ ही साथ खेलों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए भी समय सीमित कर दिया है, जो कथनी व करनी में बहुत फर्क दिखा रहा है। प्रतियोगिता व प्रशिक्षण शिविरों के समय खिलाडि़यों को खाने में बहुत दिक्कत रहती है, सरकार द्वारा खुराक भत्ता बढ़ाना हिमाचल प्रदेश की खेलों व खिलाडि़यों के लिए अच्छा संकेत है, मगर साथ ही साथ खिलाडि़यों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए उचित समय देकर खेलों के साथ न्याय करे। पिछले कई वर्षों से सरकार अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को नकद ईनाम नहीं दे पा रही हैज

जब खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश के लिए पदक जीतता है, तो उस प्रदेश व देश का गौरव बढ़ता है, यानी खेल राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा हुआ विषय है। इसलिए सरकारें अपने खिलाडि़यों की बेहतरी के लिए विभिन्न अवार्ड्स के साथ-साथ नगद ईनाम भी देती हैं। हिमाचल में जहां खेल अभी शैशव काल में है, यहां पर खिलाडि़यों का हौसला बढ़ाने के लिए काफी प्रयास करने चाहिएं, मगर राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वर्तमान सरकार पिछले लगभग तीन वर्षों में कोई भी नगद ईनाम वितरण समारोह आयोजित करवाने में नाकामयाब रही है, जो हिमाचल में खेल व खिलाडि़यों के लिए ठीक बात नहीं है। पहले भाजपा की जयराम सरकार ने राज्य के खिलाडि़यों द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते गए पदकों की ईनामी राशि को काफी सम्मानजनक स्तर तक तो जरूर बढ़ाया था मगर पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह का आयोजन नहीं हो पाया था। कांग्रेस सरकार को भी चुने हुए तीसरा वर्ष खत्म हो रहा है, मगर ये सरकार भी राज्य के वरिष्ठ व कनिष्ठ राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित नहीं कर पा रही है। हां, यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री ने नई खेल नीति बनाने की घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए बजट में ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता की नगद ईनामी राशि को तीन करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए, रजत पदक की दो करोड़ रुपए को तीन करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के एक करोड़ रुपए को दो करोड़ रुपए तक बढ़ाया है। एशियन व राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के नगद ईनाम में भारी बढ़ोतरी कर एशियाड के स्वर्ण पदक विजेता के पचास लाख रुपए को चार करोड़ रुपए, रजत के बीस लाख रुपए को अढ़ाई करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के बीस लाख रुपए को डेढ़ करोड़ तथा राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत के लिए दो करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपए तक बढ़ा कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडि़यों को बहुत बड़ी सौगात दी है।

ओलंपियन नौसाद सहित कुछ अंतरराष्ट्रीय खिलाडि़यों को नगद ईनाम मिले भी हैं, मगर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी खेलों में पांच हजार मीटर की दौड़ में रजत पदक विजेता चंबा की सीमा व राष्ट्रीय खेल देहरादून 2025 के दोहरे स्वर्ण पदक विजेता सावन बरवाल सहित अधिकतर खिलाडि़यों को ईनामी राशि नहीं मिली है। हिमाचल सरकार को इस विषय पर जल्दी विचार करना होगा। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में ड्रिल व खेलों के लिए एक पीरियड जो वर्षों पहले पढ़ाई के नाम पर खत्म कर दिया था, अब फिर से शुरू तो जरूर कर दिया है, मगर वह मैदान की जगह कक्षा के कमरे में चल रहा है। साथ ही साथ खेलों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए भी समय सीमित कर दिया है, जो कथनी व करनी में बहुत फर्क दिखा रहा है। प्रतियोगिता व प्रशिक्षण शिविरों के समय खिलाडि़यों को खाने में बहुत दिक्कत रहती है, सरकार द्वारा खुराक भत्ता बढ़ाना हिमाचल प्रदेश की खेलों व खिलाडि़यों के लिए अच्छा संकेत है, मगर साथ ही साथ खिलाडि़यों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए उचित समय देकर खेलों के साथ न्याय करें। पिछले कई वर्षों से सरकार अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को नगद ईनाम नहीं दे पा रही है। इस स्तर के पदाधिकारी या तो विद्यार्थी होते हैं या अधिकतर बेरोजगार। इसलिए आशा करते हैं कि अब जल्दी ही प्रदेश के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल को गौरव दिलाने वाले पदकधारियों के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार नगद ईनाम बांट समारोह का आयोजन करे, ताकि खिलाडि़यों में उत्साह बना रहे।

> साहित्य की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल अपने लेखन से नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व, सहजता और साहित्यकारों के प्रति आत्मीय व्यवहार से भी पीढ़ियों तक याद किए जाते हैं। दादा लखमी खिलानी उन्हीं नामों में से एक हैं। 2 अक्टूबर को उन्होंने अपने जीवन के 90 वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर जब सुबह उनसे मेरी बातचीत हुई, तो उनकी आवाज़ में वही पुराना उत्साह और वही आत्मीयता झलक रही थी, जिसने पिछले चार दशकों से हमारे बीच एक सुदृढ़ संबंध बनाए रखा है।

नबे वर्ष की उम्र में भी सृजनशीलता की धारा बहाते लखमी खिलानी

(अशोक मनवानी-विनायक फीचर्स)

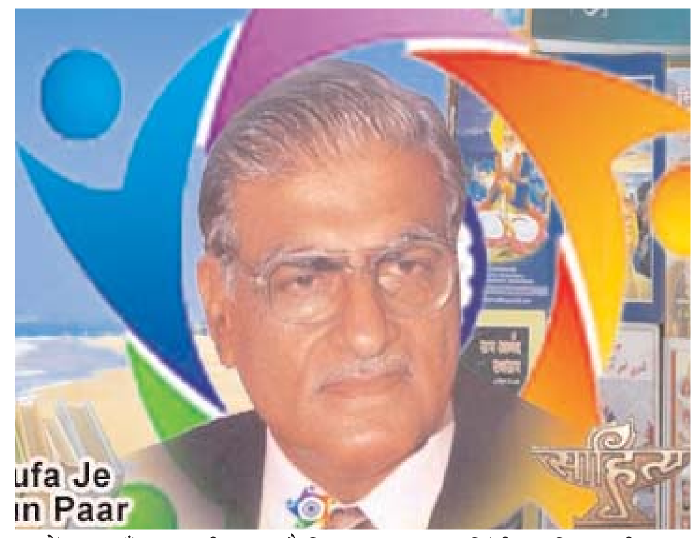

उन्होंने बताया कि फिलहाल वे अपने बेटे के पास बेंगलुरु में हैं और जीवन के इस पड़ाव पर भी साहित्य सृजन में निरंतर सक्रिय हैं। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि उनकी कहानियों के अंग्रेजी अनुवाद की पुस्तक शीघ्र प्रकाशित होने वाली है। यह तथ्य स्वयं में इस बात का प्रमाण है कि लखमी खिलानी का लेखन केवल सिंधी साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि उसकी पहुँच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक है। बातचीत के दौरान जब मैंने उन्हें बधाई दी तो वे अत्यंत प्रसन्न हुए। मैंने उनसे कहा कि उनकी कुछ कहानियाँ आज भी मेरी स्मृतियों में जीवंत हैं। इनमें ÷शिकार काकातुआ÷ और ÷अंधी कविता÷ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। ÷अंधी कविता÷ पर भोपाल में नाटक का मंचन भी हुआ, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। इसी तरह उनकी एक अन्य प्रसिद्ध कहानी ÷रेत का किला÷ भी बहुत चर्चित रही। इसका नाट्य रूपांतरण सिंधी में कई बार मंचित हुआ और भोपाल के रंगकर्मियों ने इसे बार-बार प्रस्तुत किया। नाटक मंचन की यादों को साझा करते हुए खिलानी दादा ने भोपाल के रंग निर्देशक अशोक बुलानी और कविता इसरानी का भी स्मरण किया। यह उनके व्यक्तित्व की विशेषता है कि वे सहयोग देने वालों को हर अवसर पर याद करते हैं।

विनायक फीचर्स और दिनेश चंद्र वर्मा का स्मरण- बातचीत के दौरान उन्होंने विशेष रूप से भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार और विनायक फ़ीचर्स के संस्थापक दिनेश चंद्र वर्मा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्मा जी ने उनकी सैकड़ों कहानियों का हिंदी के अखबारों में प्रकाशन करवाया और उन्हें पाठकों तक पहुँचाया। यही कारण है कि हिंदी पाठकों के बीच भी लखमी खिलानी का साहित्य जाना-पहचाना नाम बना। आज भी विनायक फीचर्स की यह परंपरा निरंतर गतिमान है। स्वर्गीय दिनेश चंद्र वर्मा का उन्होंने भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि यदि ऐसे लोग न होते तो सिंधी लेखन का हिंदी जगत से इतना गहरा संबंध नहीं बन पाता।

परिवार और जीवन शैली- लखमी दादा का जीवन एक जगह तक सीमित नहीं रहा। वे साल में कुछ महीने बैंगलुरु, पुणे और कोलकाता में रहते हैं और बेटे-बेटी दोनों के साथ समय बिताते हैं। यह जीवनशैली उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करती रही है। उनकी बेटी और बेटा दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में व्यस्त रहते हैं, लेकिन उनके साथ रहकर लखमी दादा साहित्य और परिवार के बीच अद्भुत संतुलन बनाए रखते हैं।

पुरस्कार और मान्यता- लखमी खिलानी को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त है। उनकी पुरस्कृत कृति ÷गुफा के उस पार÷ सिंधी साहित्य की एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जाती है। यह कृति केवल कहानी का संग्रह भर नहीं, बल्कि जीवन, समाज और संस्कृति की गहरी परतों को उजागर करने वाला दस्तावेज़ है। इस सम्मान ने उन्हें न केवल सिंधी भाषा के साहित्यकारों में विशिष्ट स्थान दिया बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिष्ठित किया।

आदिपुर का नवाचार- खिलानी दादा का योगदान केवल लेखन तक ही सीमित नहीं रहा। उन्होंने गुजरात के आदिपुर में सिंधी राइटर्स और कलाकारों की कॉलोनी बसाने का नवाचार किया। यह पहल आज भी स्मरणीय है क्योंकि विस्थापन और बिखराव के बाद सिंधी समाज के लिए एक साझा सांस्कृतिक केंद्र बनाना ऐतिहासिक कार्य था। इससे अनेक युवा लेखकों और कलाकारों को मंच मिला और एक नई पीढ़ी का आत्मविश्वास बढ़ा।

आत्मीयता और मित्रता-उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वे अपने से जूनियर लेखकों और कलाकारों के साथ मित्रता का निर्वाह करते रहे। मैंने स्वयं 1984 में कोलकाता में केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा आयोजित कहानी लेखन कार्यशाला में उन्हें करीब से देखा था। यह कार्यशाला कोलकाता के एस्प्लेनेड क्षेत्र की सिंधी हिंदू धर्मशाला में हुई थी, जहाँ अलग-अलग प्रांतों से लेखक पहुँचे थे। उस समय सुंदरी उत्तमचंदानी भी मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित थीं। उस कार्यशाला के दौरान हम सबने पार्क स्ट्रीट, न्यू मार्केट और दक्षिणेश्वर जैसी जगहों की सैर की थी। हावड़ा ब्रिज पर घूमना भी अविस्मरणीय रहा। उन दिनों लखमी दादा ने हम सब नव लेखकों का जिस आत्मीयता से सत्कार किया था, वह आज भी स्मृतियों में अंकित है।

साहित्यकारों का सम्मान-आज भी लखमी दादा साहित्यकारों की उपलब्धियों और व्यक्तित्व पर ध्यान देते हैं। उन्होंने हमारी हाल की बातचीत में मोहन हिमथानी की कार्यकुशलता का विशेष उल्लेख किया। यह उनकी दृष्टि की व्यापकता को दर्शाता है। वे केवल अपने लेखन या अपने अनुभवों में सीमित नहीं रहते, बल्कि दूसरों की रचनात्मकता और साहित्यिक योगदान की भी सराहना करते हैं। आज 90 वर्ष की उम्र में भी उनकी आवाज़ में वही उत्साह, वही जीवन ऊर्जा और वही सृजनशीलता है। उनकी कहानियाँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि समाज के अनुभवों, संवेदनाओं और संघर्षों की जीवित झलक हैं। वे केवल सिंधी साहित्य के स्तंभ नहीं, बल्कि भारतीय साहित्य की एक धरोहर हैं। उनका जीवन केवल एक लेखक का जीवन नहीं, बल्कि एक पीढ़ी, एक संस्कृति और एक समाज का इतिहास है। उनकी कहानियाँ, उनका व्यक्तित्व और उनकी आत्मीयता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

सीजन ऑफ चमचागिरी

मृदुला श्रीवास्तव

भाया! बरखा के सीजन की तरह चमचागिरी का भी अपना एक सीजन होता है। सरकारी दफ्तरों में प्रमोशन, ट्रांसफर, डीपीसी की लिस्ट निकलने की आहट आने से ही इस बरखा के सीजन की शुरुआत होती है। मेहनत परिश्रम का सस्ता सा रेनकोट घर से लेकर चले थे, सो ठीक है। बढ़िया है। लेकिन, अगर प्रगति की परमानेंट खुशी चाहते थे तो चमचागिरी का बड़ा, काला, नकली पॉलिएस्टर का बड़ी डंडी वाला छाता लेकर घर से क्यों नहीं निकले थे? पत्नी चिल्लाई थी- 'अरे! सुनिए जी, छाता तो ले जाइएज्वैसे भी अगले महीने आपका प्रमोशन ड्यू है।' ये बरखा का क्रिटिकल पीरियड सचमुच बहुत कुछ या तो दे जाता है या फिर सब कुछ बहाकर ले जाता है। पिछले दिनों आपने देख ही लिया। अब जैसे ही बॉस के मूड के बादल छाते दिखे, बस तभी अपना छाता खोलकर बॉस के सिर के साथ अटैच कर लेना। शेयरिंग की पावर में बहुत दम होता है। ऐसे में अपनी इस गजब की कारिस्तानी को समय पर अगर तुमने अप्लाई कर लिया, तो तुम्हारे वारे के न्यारे समझो। और भई! गर तुम्हारी रिश्तेदारी है ऊपर के टॉप फ्लोर तक, तो इस सीजन की बुरी मार से तुम बढ़िया से बच सकते हो। तब तो न कोई ट्रांसफर और न कोई डिमोशन। बॉस को बरखा के सीजन में जुकाम होने पर। बॉस की बहती नाकज्जेब से निकालो रुमालज्तुरंत मेज के नीचे सेज्बॉस की तरफ खिसका दो। मात्र इस एक सक्सेसफुल एक्शन से आउट-ऑफ दि वे एक तगड़ा प्रमोशन पक्का और अगर तुमने कहीं एक कदम और आगे बढ़कर अपने हाथों से बॉस की नाक का पलीदा भी खुद ही पोंछ दिया, फिर तो इसका कमाल पूछो मती। इस प्रमोशन वाली बरखा के सीजन में अरे! चमचागिरी की हवा तुमको अभी तक नहीं लगी क्या? ओह, तब तो तुम्हारा इस धरती पर जन्म लेना निर्मूल है। 'क्यों शर्मा जी, मुंह क्यों लटका कर चल रहे हैं इतना? मिश्रा जी भाई साहब, अब तक आठ प्रमोशन ले चुके हैं। अपने केबिन के डेस्क पर बैठे-बैठे मिश्रा जी ने शेयर मार्किट से कितने शेयरों की खरीद-फरोख्त अब तक कर ली है। तुम क्या जानों एक चुटकी शेयर की कीमत सुनील बाबू! इस दफ्तर में दरअसल यदि शर्मा जी को तनख्वाह मिल रही है तो बस मिश्रा जी की वजह से।

स्वदेशी एवं स्वावलबन ही नये भारत का आधार

> राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की।

ललित गर्ग

50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है।

विकास की नई राह पर सुकमा, किष्टाराम में ग्रामीण बैंक शाखा का शुभारंभ; 10 हज़ार से अधिक ग्रामीण होंगे लाभान्वित

किष्टाराम में मिनी स्टेडियम व मंगलागुड़ा में बनेगा पुलिया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अपने एकदिवसीय प्रवास पर किष्टाराम पहुँचे। यहां उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की नवीन शाखा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों से भेंटकर उनकी कुशलक्षेम पूछा और शासकीय योजनाओं के लाभ के विषय में जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा है।

ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ: नई बैंक शाखा से आठ ग्राम पंचायतों के 42 गांव और 10 हज़ार से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने शाखा का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि अब ग्रामीणों को डिजिटल बैंकिंग, लेन-देन और शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

सरकार का संकल्प: माओवाद मुक्त बस्तर: अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किष्टाराम छत्तीसगढ़ का अंतिम छोर नहीं, बल्कि पहला गाँव है जहाँ से प्रदेश की विकास यात्रा प्रारंभ होती है। हमारी सरकार मार्च 2026 तक माओवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी भटके हुए युवाओं से अपील है कि समाज की मुख्यधारा में लौटकर विकास में भागीदार बनें। कार्यक्रम में 5 हितग्राहियों को ग्रामीण बैंक का नवीन पासबुक प्रदान किया गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने घोषणा किया कि कोंटा से गोलापल्ली होते हुए किष्टाराम तक सड़क निर्माण जल्द शुरू होगा। किष्टाराम में मिनी स्टेडियम और मंगलागुड़ा में पुलिया निर्माण की भी घोषणा की गई।

युवा और महिलाएँ होंगे आत्मनिर्भर: उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि 12वीं पास बहनों को बैंक सखी बनाया जाएगा और युवाओं को सीएससी सेंटर की ट्रेनिंग दी जाएगी। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सीएससी सेंटर स्थापित होंगे, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण आसानी से शासन की योजनाओं का लाभ ले पाएंगे।

बस्तर की पहचान बनेगा बस्तरिया युवा: बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार ने महतारी वंदन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसानों की ऋण माफी जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सीधा लाभ पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान बस्तर का युवा ही होगा, बाहरी कोई नहीं। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पांडुम जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी प्रतिभा दिखाकर बस्तर का गौरव बढ़ाएँ। कार्यक्रम में कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर पी. सुंदरराज, डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण, मोहित सिंघल (क्षेत्रीय प्रबंधक जगदलपुर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक), सहित जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े ने राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला में लिया भाग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज महिला और बाल कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नई रणनीतियों पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लिया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में देश के सभी राज्यों के महिला एवं बाल विकास मंत्रीगण और विभागीय सचिव उपस्थित रहे। बैठक में महिला और बाल कल्याण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं, पोषण अभियान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण नीतियों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। राज्यों से प्राप्त अनुभवों और सुझावों को साझा किया गया, ताकि योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस अवसर पर लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ महिला और बाल कल्याण के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। इस कार्यशाला से प्राप्त सुझावों और अनुभवों का लाभ राज्य की योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में बुजुर्गों को मिलने लगी राहत, फिजियोथेरेपी और पंचकर्म कराने पहुंच रहे हैं मरीज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के दिन जिला अस्पताल परिसर में प्रदेश का पहला बुजुर्ग स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्र का शुभारंभ हुआ था। इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में अभी तक 11 बुजुर्ग अलग- अलग परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए पहुंचे है। जानकारी के मुताबिक 2 बुजुर्गों ने पंचकर्म और 9 बुजुर्गों ने फिजियोथेरेपी कराएं है। स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने कहा था कि उम्र बढ़ने पर घुटनों, एड़ियों और अन्य रोगों से पीड़ित होना सामान्य बात है। उन्होंने कहा, हम सबको इस अवस्था से गुजरना है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुरूप यह बुजुर्ग देखभाल केंद्र शुरू किया गया है। यह प्रदेश का पहला केन्द्र है, जहां बुजुर्गों को अस्पताल में लाइन लगने की जरूरत नहीं है, उन्हें एक ही छत के नीचे जांच, उपचार, दवाई और फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सुविधाएं मिलने लगा है।

बुजुर्गों के लिए अत्याधुनिक उपकरण और थेरेपी: बुजुर्ग स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें ट्राइसाइकिल, बैलेंस बोर्ड, फुट मसाजर, पैरेलल बार, स्टेयर क्लाइंबिंग, ट्रेडमिल, मसाज चेयर, ट्रैक्शन और वैक्स बाथ जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यहां फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सेवाएं भी बुजुर्गों को मिलने लगी है।

बस्तर ओलम्पिक पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर ओलम्पिक 2025 के पंजीयन का शुभारंभ हो चुका है। पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तक निर्धारित है। बस्तर ओलम्पिक में बस्तर के सभी वर्ग के खिलाड़ियों के लिए खेलों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल एव रस्साकसी (केवल सीनियर महिला वर्ग हेतु) इसके अलावा हॉकी एवं वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ी एवं दल सीधे संभाग स्तर पर भाग ले सकते हैं। बस्तर ओलम्पिक में बालक बालिका जिनकी आयु 14 से 17 है, वे जूनियर वर्ग में भाग ले सकते हैं।

17 वर्ष से अधिक आयु के महिला व पुरुष सीनियर वर्ग में भाग ले सकते हैं। सीनियर वर्ग के लिए आयु बंधन नही है।

बस्तर ओलंपिक में भाग लेने के लिए https://rymc.cg.gov.in/bastarOlympics 2025/इस लिंक पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं। सभी खिलाडियों का ऑनलाइन पंजीयन आवश्यक है। पंजीयन के समय फोटो, आधार नम्बर एवं बैंक खाता नम्बर अनिवार्य है। पंजीयन जनपद पंचायत कार्यालय, सभी शासकीय विद्यालयों, खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय विकासनगर में किया जा रहा है। प्रतिभागी खिलाड़ी अपने दस्तावेज के साथ पंजीयन करवा सकते है।

विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता 25 अक्टूबर से 05 नवम्बर के मध्य सभी विकासखण्ड मुख्यालय में होगा। विकासखण्ड के विजेता जिला स्तर पर भाग लेंगे, जिसका आयोजन 05 से 15 नवम्बर के मध्य कोण्डागांव में होगा। जिला के विजेता संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे, जिसका आयोजन बस्तर जगदलपुर में दिनांक 24 से 30 नवम्बर के मध्य होगा। जिला के प्रथम तीन व्यक्तिगत खेलों के विजेताओं को क्रमशः 2000/-, 1500/-, 1000/-रूपए सीधे खाते में डीबीटी किया जाएगा। दलीय खेलों के प्रथम तीन विजेता दलों को क्रमशः 4000/, 3000/-, 2000/- सीधे खाते में डीबीटी किया जाएगा।

ईब नदी पर कुनकुरी–रनपुर मार्ग में बनेगा उच्चस्तरीय पुल

120 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए 4.86 करोड़ रुपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ईब नदी कुनकुरी-रनपुर मार्ग में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुँच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा 120 मीटर लंबे इस पुल के निर्माण के लिए 4 करोड़ 86 लाख 74 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में यह कार्य निविदा स्तर पर है। यह मार्ग कुनकुरी विकासखंड को बगीचा तहसील मुख्यालय और सरगुजा जिले से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में विकास ने नई रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में लगातार ठोस पहल की जा रही है। सड़कों, पुलों और अन्य अधोसंरचनाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे आमजन को सुविधा मिल रही है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा संस्थानों की पहुंच आसान हुई है। ईब नदी पर बनी पुरानी पुलिया समय के साथ जर्जर हो चुकी थी और संकरी होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। बारिश के दिनों में पुलिया पर पानी बहने से आवाजाही और भी जोखिमपूर्ण हो जाती थी।

बरबट्टी की खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे केराबहार के किसान खुलेश्वर पैंकरा

कम लागत, अधिक उत्पादन बरबट्टी की खेती बनी खुशहाली का आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। किसान पारंपरिक खेती से हटकर अब वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाते हुए अधिक मुनाफा देने वाली फसलों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इससे न केवल उनकी आमदनी में वृद्धि हो रही है, बल्कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम केराबहार निवासी श्री खुलेश्वर पैंकरा ने अपनी मेहनत और लगन से 0.5 एकड़ भूमि में बरबट्टी की खेती कर अच्छा उत्पादन प्राप्त किया है।

किसान श्री पैंकरा बताते हैं कि उन्होंने उद्यान विभाग के सहयोग से आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करते हुए बरबट्टी की फसल ली। परिणामस्वरूप बरबट्टी की बाजार दर 50 रुपए प्रति किलो होने से उन्हें 70,000 रुपए की सकल आय प्राप्त हुई। खेती में कुल लागत 20,000 रूपये आई, जिसके बाद उन्होंने 50,000 रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा किसानों की आर्थिक उन्नति और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक खेती के साथ-साथ बागवानी एवं आयमूलक फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। रायगढ़ कलेक्टर के निर्देशन एवं उद्यान विभाग की सहायक संचालक के मार्गदर्शन में इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। किसान श्री खुलेश्वर पैकरा की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि किसान समय पर फसल चयन, उचित तकनीक और मेहनत को अपनाए, तो सीमित संसाधनों में भी समृद्धि हासिल की जा सकती है। श्री पैंकरा को बरबट्टी की खेती से जहां आर्थिक लाभ मिला, वहीं इस फसल ने मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और जैविक खेती को प्रोत्साहन देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री पैंकरा बताते हैं कि वे इस वर्ष भी बरबट्टी की खेती कर रहे हैं और आने वाले समय में फसल का क्षेत्रफल बढ़ाने के साथ-साथ वे आसपास के किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करने की योजना बना रहे हैं।

चिरायु योजना : कक्षा 06वीं की छात्रा रोशनी को मिला नया जीवन

हृदयाघात संबंधी समस्या पर हुआ नि :शुल्क आपरेशन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत शासन की महत्वाकांक्षी चिरायु योजना का मुंगेली जिले में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला शाहा एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में योजना के तहत चिरायु टीम द्वारा जिले में स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिरायु दल बी द्वारा कस्तुरबा गांधी कन्या आवासीय छात्रावास लोरमी में कक्षा 06 में अध्ययनरत रोशनी का स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान हृदयाघात समस्या का होना पाया गया, जिसकी जानकारी हॉस्टल अधीक्षिका को दी गई। उसके पश्चात अगले दिन रोशनी के पिता शिवप्रसाद को छात्रावास अधीक्षिका के माध्यम से संपर्क कर ईलाज में होने वाली प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। उनकी

सहमति के पश्चात जांच हेतु सत्य साई हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गई।

ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित दिवस में रोशनी को भर्ती किया गया और लगभग 01 सप्ताह से अधिक समय से चले उपचार के पश्चात रोशनी स्वस्थ होकर अपने घर वापस आ गई, इससे उसे नया जीवन मिल गया है। रोशनी के माता-पिता ने शासन-प्रशासन, स्वास्थ विभाग और चिरायु दल का आभार व्यक्त किया। चिरायु के नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार ने बताया कि रोशनी सुदूर वनांचल बैगा क्षेत्र की निवासी हैं, जिनसे संपर्क और सामंजस्य स्थापित करने में लोरमी चिरायु दल बी को कई बार प्रयास करना पड़ा और अंततः सफलता मिली।

इस कार्य में विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जी एस दाऊ, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक श्री शैलेन्द्र पांडेय, डॉ. अखिलेश बंजारे एवं चिरायु टीम के डॉ आदित्य पाण्डेय (आयुष चिकित्सा अधिकारी), डॉ ज्योत्सना बिंझवार (आयुष चिकित्सा अधिकारी), सरला जायसवाल (फार्मासिस्ट), चंद्रकांती कश्यप (ए.एन.एम.) का सहयोग रहा।

आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायतों में हुई ऐतिहासिक पहल ग्रामीणों की आकांक्षाओं से तय होगा विकास का रोडमैप

आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत जिले के 315 ग्राम पंचायतों का 'विजन-2030' विशेष ग्राम सभाओं में हुआ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ जिले के 315 ग्रामों में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आदि सेवा पर्व मनाया गया। इस दौरान विभिन्न सेवा शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें ग्रामीणों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान कार्ड, पीएम जनधन खाता सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। जनजागरण और भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से शिविरों में नुक्कड़ नाटक, ट्रांजैक्ट वॉक एवं सामुदायिक संवाद कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों की आकांक्षाओं एवं प्राथमिकताओं को सीधे विकास योजना का हिस्सा बनाया गया।

विशेष ग्राम सभाओं में ग्रामीणों ने अपने गांव के विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, कृषि, स्वरोजगार, पोषण एवं आजीविका से जुड़ी मांगों को प्राथमिकता देते हुए साझा ग्राम विजन 2030 तैयार किया।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना आदि कर्मयोगी अभियान के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर रायगढ़ जिले के सभी 315 आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। रायगढ़ कलेक्टर के मार्गदर्शन में आयोजित इन ग्राम सभाओं के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत ने अपनी ग्राम कार्ययोजना एवं ग्राम विजन 2030 को पारित किया। यह विजन दस्तावेज आने वाले वर्षों के लिए ग्रामों के समग्र एवं सतत विकास का खाका प्रस्तुत करेगा।

जेल विभाग में छत्तीसगढ़ स्थापना रजत महोत्सव का शुभारंभ

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने स्वयं किया रक्तदान

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं विभाग द्वारा 3 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 तक रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव का शुभारंभ आज केन्द्रीय जेल रायपुर में रक्तदान शिविर के साथ हुआ।

शिविर का शुभारंभ करते हुए डीजी जेल श्री हिमांशु गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की प्रगति में जेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर जेल विभाग के महानिदेशक श्री गुप्ता, केंद्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री सहित कुल 28 व्यक्तियों ने रक्तदान किया।

आदि कर्मयोगी अभियान के राज्य नोडल अधिकारी एम. राज मुरूगन कबीरधाम के ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिले के 275 ग्रामों का विकास विजन, विशेष ग्राम सभाओं में हुआ पारित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी आदि कर्मयोगी अभियान के तहत कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम पंचायत तितरी, बरेन्डा और खारा में गांधी जयंती 2 अक्टूबर को आयोजित विशेष ग्राम सभाओं के साथ नई दिशा में आगे बढ़ा। इन ग्राम पंचायत के ग्राम सभा में भारत सरकार द्वारा नियुक्त छत्तीसगढ़ राज्य नोडल अधिकारी एवं भारत सरकार के ट्राईफेड के प्रबंध संचालक एम. राज मुरूगन विशेष रूप से कबीरधाम पहुंचे। उन्होंने ग्राम सभाओं में शामिल हुए और वर्ष 2030 तक के ग्राम विकास के कार्यो को आगे बढ़ाया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा नियुक्त छत्तीसगढ़ राज्य नोडल अधिकारी एम. राज मुरूगन सहित सभी अधिकरियो ने ग्राम सभाओं में अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर चौपाल लगाकर और सीधे संवाद किया। ग्रामीणों ने गांव की समस्याओं और आकांक्षाओं को सामने रखा, जिनमें स्वच्छ पेयजल, पक्की

सड़क, प्राथमिक विद्यालयों की बेहतर व्यवस्था, 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं, महतारी सदन निर्माण, सामुदायिक वन संसाधन पत्र, नदी पर पुल-पुलिया निर्माण, निर्बाध बिजली और नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग प्रमुख रही।

आदि कर्मयोगी अभियान के राज्य नोडल अधिकारी मुरुगन ने जिले के बोड़ला विकासखण्ड के ग्राम पंचायत तितरी, ग्राम पंचायत बरेंडा और ग्राम पंचायत खारा में आयोजित ग्राम सभा मे ग्राम विकास के लिए प्रस्ताविक कार्ययोजना का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ भारत सरकार से जिले के लिए नियुक्त विजय लक्ष्मी तारा, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी, आदिम जाति विकास विभाग से सहायक आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राज्य नोडल अधिकारी मुरूगन ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य है कि गांव की जरूरतें अब गांव वाले खुद तय करें। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत ग्राम विजन योजना 2030 तैयार की जा रही है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, आधारभूत ढांचा और परंपराओं के संरक्षण जैसे सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों की आकांक्षाओं को इस विजन योजना में जोड़ा जाएगा, ताकि गांव आत्मनिर्भर और विकसित बन सकें। उन्होंने आगे बताया कि अभियान में केंद्र सरकार के 17 मंत्रालयों की 25 गतिविधियाँ सम्मिलित हैं।

दूसरे दिन भी हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

नर्मदापुरम, एजेंसी। में दशहरे के दूसरे दिन शुक्रवार को शहर में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला पूरे दिन भर चलता रहा। दोपहर से ही विभिन्न चल समारोहों के माध्यम से श्रद्धालु प्रतिमाएं लेकर हर्बल पार्क स्थित कृत्रिम विसर्जन कुंड और सेठानी घाट पहुंचने लगे। यह क्रम रात 2 बजे तक जारी रहा। नगर प्रशासन द्वारा बनाए गए कृत्रिम कुंड में प्रतिमाओं का क्रेन की मदद से सुरक्षित विसर्जन किया गया। यहां सुरक्षा के लिए पुलिस, होमगार्ड और नगर पालिका के कर्मचारी तैनात रहे। व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद रही। सेठानी घाट पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा और शिव प्रतिमाओं को विदा करने पहुंचे। यहां कोई रोक नहीं थी, लोग उत्सव समिति के साथ खुद ही प्रतिमाएं नदी में विसर्जित करते नजर आए। भारी-भरकम प्रतिमाएं श्रद्धालु खुद पानी में ले जाकर विसर्जित कर रहे थे। सुरक्षा के लिहाज से यहां भी पुलिस बल और होमगार्ड तैनात थे। गुरुवार से ही श्रद्धालु ढोल-ढमाकों, डीजे और बैंड के साथ नाचते-गाते चल समारोह निकाल रहे हैं। जगह-जगह मां दुर्गा की झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ मां भगवती और शिव प्रतिमाओं को भावुक विदाई दी। कृत्रिम कुंड और घाट दोनों ही स्थानों पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था भी संभाली गई थी, जिससे कहीं कोई अव्यवस्था या हादसा नहीं हुआ।

सलकनपुर धाम में नवरात्रि में प्रशासन रहा मुस्तैद :110 बिछड़े बच्चों को मिलवाया, 15 गुम मोबाइल लौटाए

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में शारदीय नवरात्रि के दौरान मां विजयासन देवी धाम सलकनपुर में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस दौरान पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से व्यवस्थाएं सुचारु रहीं। पुलिस ने 110 बिछड़े बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया और 15 गुम हुए मोबाइल फोन भी ढूंढकर उनके मालिकों को वापस किए। पूर्व के अनुभवों को देखते हुए, जहां सड़क पर लंबा जाम और हादसे होते थे, इस बार पुलिस एवं प्रशासन ने नवरात्रि शुरू होने से पहले ही कमर कस ली थी। व्यवस्थाओं को इस तरह से प्लान किया गया था कि कोई अप्रिय घटना न हो। नवरात्रि से पहले पुलिस और प्रशासन ने कई बैठकें कीं। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला और कलेक्टर बालागुरु के ने स्वयं सलकनपुर का दौरा कर भौगोलिक स्थिति को समझा। इसके बाद नवरात्रि में व्यवस्था का एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया। नवरात्रि के शुरुआती दौर में 150 पुलिसकर्मियों का बल तैनात किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 250 कर दिया गया। अन्य विभागों के कर्मचारियों को मिलाकर कुल 500 स्टाफ व्यवस्था संभालने के लिए स्टैंडबाय मोड पर रहा। यातायात व्यवस्था पर निगरानी के लिए एक ड्रोन सड़क मार्ग पर लगातार नजर रख रहा था, जबकि दूसरा ड्रोन पहाड़ी क्षेत्र की सतत निगरानी कर रहा था।

छात्रा का सुसाइड, मौसा पर छेड़छाड़ का आरोप

दमोह, एजेंसी। दमोह में 12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसके पास से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने मौसा पर छेड़छाड़ करने और बदनाम करने का आरोप लगाया है।उसे ऐसी सजा मिले ताकि कोई भी व्यक्ति किसी बेटी को बदनाम करने से पहले 100 बार सोचे। मैं चुप रही, यही मेरी सबसे बड़ी गलती थी। मामला जिले के बिजोरी पाठा गांव का है। शुक्रवार दोपहर को छात्रा ने घर में फांसी लगा ली थी। छात्रा के पिता ने बताया कि वह हटा के ककराई वार्ड में पुताई का काम करने गए थे। डेढ़ बजे बेटे ने फोन कर बताया कि बेटी ने फांसी लगा ली है। घर पहुंचे तो बेटी की सांसें चल रही थीं। अस्पताल ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बेटी ने सुसाइड नोट में गुप्पू उर्फ गोपाल लोधी पर आरोप लगाए हैं।

हत्या मामले में फरार दो भाइयों समेत 5 गिरफ्तार

रंजिश में धारदार हथियारों से की थी शस की हत्या; 6 आरोपी फरार, तलाश जारी

सागर, एजेंसी। सागर जिले के ग्राम बगरोही में पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि छह आरोपी अब भी फरार हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो सगे भाई भी शामिल हैं।

खेत से लौटते समय रास्ते में रोका, पिता पर किया तलवार से हमला

पुलिस के अनुसार, यह वारदात 29 सितंबर को हुई थी। फरियादी दीपपाल यादव (18) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने पिता परमलाल यादव, मां रम्बोबाई यादव और भाभी सरोज यादव के साथ खेत से लौट रहा था। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे 11 लोगों ने उन्हें रोक लिया। सभी के हाथों में तलवार, कुल्हाड़ी और डंडे थे। आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज शुरू की। विरोध करने पर जगदीश यादव ने दीपपाल के पिता पर तलवार से हमला कर दिया, जबकि अन्य ने कुल्हाड़ी और डंडों से मारपीट की।

पिता की मौके पर ही मौत

बेटे, मां और भाभी ने जब बीचबचाव करने की कोशिश की तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया।

इस हमले में तीनों को गंभीर चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल परमलाल यादव की मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं में 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

गांव में दबिश देकर पकड़े आरोपी

हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए चार टीमें गठित कीं। लंबे समय तक छापेमारी के बाद शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ आरोपी गांव लौटे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस ने बगरोही गांव में दबिश दी और पांच आरोपियों सोवत उर्फ खिल्ला यादव, हल्कन यादव, अर्जुन यादव, विनोद यादव और मुन्ना यादव को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी बगरोही के ही निवासी हैं।

पूछताछ में कबूला जुर्म हथियार भी बरामद

गिरफ्तार आरोपियों से थाने में पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उनके पास से वारदात में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी और डंडे भी जब्त कर लिए हैं। शाहगढ़ थाना प्रभारी संदीप खरे ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

बाकी आरोपी उत्तर प्रदेश में छिपे होने की आशंका

वारदात में शामिल अन्य छह आरोपियों की तलाश अभी जारी है। पुलिस को उनकी लोकेशन उत्तर प्रदेश में मिली है, जिसके आधार पर टीमें वहां भेजी गई हैं। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इन 11 लोगों के खिलाफ दर्ज है मामला पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर जिन 11 लोगों को आरोपी बनाया है, उनके नाम हैं ङ्क जगदीश यादव, अर्जुन यादव, अरविंद यादव, विनोद यादव, राजू यादव, राजेश यादव, खिल्लान यादव, दयालु यादव, जाहर यादव, मुन्ना यादव और हल्कन यादव। सभी आरोपी ग्राम बगरोही के निवासी हैं और उन पर हत्या, जानलेवा हमला और मारपीट जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

बंद कमरे में पिटाई, न्यूड वीडियो बनाया, ब्लैकमेल किया

रतलाम में मारपीट से आहत छात्र ने सुसाइड किया; 3 सगे भाई-बहन समेत 6 पर केस

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में 14 साल के लड़के के सुसाइड केस में पुलिस ने 6 लोगों पर केस दर्ज किया है। इनमें 3 सगे भाई-बहन शामिल हैं। रिंगनोद थाना क्षेत्र के एक गांव में 26 सितंबर को नाबालिग ने फांसी लगाकर अपनी जान दी थी। पुलिस ने शुरुआती जांच में पाया कि नाबालिग ने मारपीट और प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी की है। 7 दिन बाद केस दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

न्यूड वीडियो बनाया, वायरल करने की धमकी दी: शुक्रवार (26 सितंबर) को 10वीं के छात्र रुद्र चौहान ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया था। परिजन ने आरोप लगाया था कि उनके बेटे के साथ मारपीट कर उसे प्रताड़ित किया गया। एक कमरे में बंद कर उसका न्यूड वीडियो बनाया गया। आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इससे आहत होकर उसने यह कदम उठाया। इस संबंध में शुक्रवार (3 अक्टूबर) को परिजन ने रतलाम एसपी अमित कुमार से शिकायत कर कुछ लोगों पर आरोप लगाए थे।

रुद्र चौहान

इसके बाद रिंगनोद थाना पुलिस ने पुलिस ने आरोपी हर्ष उर्फ लक्की चौहान पिता राकेश चौहान, सुमित चौहान पिता इंदर सिंह चौहान, अनुराग पिता विजय चौहान, अनुराग के भाई चिराग व बहन नेहा और क्रिश निवासी ग्राम ढोढर बांछड़ा डेरा के खिलाफ बीएनएस की धारा 107, 127 (2), 115 (2) व 3 (5) के तहत केस दर्ज किया।

बांछड़ा डेरे में चंचल नामक युवती से मिलने गया था: परिजन ने एसपी को बताया था कि बेटा रुद्र अपने दो नाबालिग दोस्तों के साथ 25 सितंबर को ढोढर के बांछड़ा डेरे में चंचल नामक युवती से मिलने गया था। तब आरोपी अनुराग चौहान, उसके भाई चिराग और बहन नेहा समेत अन्य लोगों ने रुद्र के साथ मारपीट कर उसे प्रताड़ित किया था। उसके दोस्त वहां से डरकर भाग गए थे। इस बीच आरोपियों ने नेहा के घर पर रुद्र के कपड़े उतारकर उसका वीडियो बनाया था। उन्होंने वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। जब उसका बड़ा भाई छुड़वाने गया तो आरोपियों ने उसे सौंपने से मना कर दिया। कहा था हम उसे मारेंगे। कुछ समय बाद आरोपी उसे एक गाड़ी में बैठाकर ग्राम परवलिया ले गए। वहां उसे छोड़कर भाग गए थे। रुद्र घर आया और बड़े भाई को पूरी घटना बताई थी। दूसरे दिन दोपहर में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

आरोप- रिंगनोद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही थी: रुद्र की मौत के बाद परिजन ने रिंगनोद थाने की ढोढर चौकी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाए थे। इसी कारण रतलाम आकर एसपी अमित कुमार से शिकायत की। परिजन हाथों में मृतक छात्र का फोटो, निवेदन न्याय की गुहार, किसी भी भाई-बेटे के साथ न हो ऐसा, उसके लिए एक आवाज बनें लिखे बैनर लेकर एसपी आफिस पहुंचे थे। उन्होंने चौकी प्रभारी को हटाकर उच्च अधिकारियों से जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया।

शिवपुरी स्टेशन पर मालगाड़ी के सामने बैठी बुजुर्ग महिला

शिवपुर, एजेंसी। शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार दोपहर को एक 65 वर्षीय महिला मालगाड़ी के सामने आत्महत्या के इरादे से रेलवे ट्रैक पर बैठ गई। इस दौरान अचानक सामने से ट्रेन आ गई, लेकिन स्टेशन पर तैनात जीआरपी जवान और रेलवे ट्रॉलीमैन ने साहस और फुर्ती दिखाते हुए महिला को ट्रैक से अलग कर उसकी जान बचा ली। पूरी घटना प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी मे कैद हो गई, जिसका वीडियो शनिवार को सामने आया है।

कुछ ही सेकेंड में हो सकती थी मौत: घटना शुक्रवार दोपहर 2:10 बजे की है। अशोकनगर जिले के मुंगावली की रहने वाली सरजू बाई (65) पति स्व. भगवान सिंह राजपूत प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर थीं। अचानक वह पटरियों पर उतर गई और सामने से आती मालगाड़ी को देखकर वहीं बैठ गई। जैसे ही ट्रेन नजदीक आई, महिला उठकर खड़ी हो गई।

इस दौरान भीड़ में मौजूद लोग चिल्लाने लगे। उसी समय जीआरपी थाने के प्रधान आरक्षक जसवंत यादव और रेलवे ट्रॉलीमैन दिनेश गौतम ने बिना देर किए दौड़ लगाई और महिला को खींचकर ट्रैक से बाहर निकाल लिया। उस समय ट्रेन कुछ ही कदम दूर थी।

करोली घाट पर डीजे वाहन पलटा, एक की मौत

बुरहानपुर लौटते समय हादसा, सात युवक घायल

बुरहानपुर (म.प्र.), एजेंसी। दुर्गा माता विसर्जन के लिए डीजे लेकर लौटते समय वाहन पलट गया। शुक्रवार को महाराष्ट्र के जलगांव जामोद से बुरहानपुर लौटते समय यह हादसा हुआ। करोली-दर्यापुर मार्ग स्थित घाट पर वाहन का ब्रेक फेल होने से पलट गया। हादसे में दापोरा निवासी सोहेल शाह (25) की मौके पर मौत हो गई, जबकि सात युवक घायल हुए। घायलों को शिकारपुरा थाने की डायल 112 के माध्यम से बुरहानपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

गाड़ी में आठ लोग थे सवार

जानकारी के अनुसार, मृतक और घायल युवक जलगांव जामोद में दुर्गा माता विसर्जन के दौरान डीजे बजाने का काम कर रहे थे। विसर्जन के बाद रात में डीजे वाहन लेकर दापोरा लौटते समय करोली घाट पर वाहन का ब्रेक फेल हो गया और यह पलट गया। हादसे के समय वाहन में कुल आठ लोग सवार थे।

डायल 112 से ले गए अस्पताल

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने एंबुलेंस देर से पहुंचने पर आक्रोश जताया। 108 एंबुलेंस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अंकित नागर ने बताया कि जैसे ही सूचना मिली, वाहन को मौके पर रवाना कर दिया गया था। शिकारपुरा थाने के आरक्षक जितेंद्र दांगोड़े ने बताया कि गंभीर घायलों को डायल 112 और एफआरबी-4 से जिला अस्पताल लाया गया।

घायलों में युनुस शाह, आफताब, रिहान शाह, शाहिद शाह, मिथुन, सागर और युनुस शामिल हैं। सभी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल किसी की स्थिति गंभीर नहीं बताई जा रही है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निरस्त, अनियमितता पर 4 संचालकों को नोटिस; एक निलंबित

छतरपुर (मध्य प्रदेश), एजेंसी। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर औषधि निरीक्षक ने विभिन्न मेडिकल स्टोर्स की जांच की। यह कार्रवाई छिंदवाड़ा जिले में हाल ही में नौ बच्चों की मौत के मामले के बाद दवाओं की बिक्री में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नशीली दवाओं की अवैध बिक्री रोकने के लिए की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.पी. गुप्ता के मार्गदर्शन में यह निरीक्षण किया गया।

छिंदवाड़ा की घटना से चर्चा हुई

छिंदवाड़ा में हुई मौतों की जांच में पाया गया कि कफ सिरप में जहरीले रासायनिक पदार्थ डायएथिलीन ग्लाइकॉल की मिलावट थी। श्रीसन कंपनी की कांचीपुरम यूनिट में बने कोल्ड्रिंफ कफ सिरप में 48.6त्न डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने इस सिरप के उत्पादन और बिक्री पर रोक लगा दी। इस घटना ने पूरे प्रदेश में दवाओं की बिक्री और सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी।

कई मेडिकल स्टोर्स पर हुई कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान कई मेडिकल स्टोर्स को औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 और नियमावली 1945 के अनुसार संचालन नहीं करते पाया गया। इस पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी ने मेसर्स अरबिंदो मेडिकोज, एस.बी. फार्मा, शिवम मेडिकल स्टोर और नटराज फार्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसके अलावा, मानस मेडिकल स्टोर का ड्रग लाइसेंस दो दिनों के लिए निलंबित और गुड हेल्थ ड्रग हाउस का ड्रग लाइसेंस पूरी तरह निरस्त कर दिया गया।

औषधि निरीक्षक ने सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को चेतावनी दी है कि वे अपने स्टोर संबंधित कानून और नियमों के अनुसार ही संचालित करें। उन्होंने कहा कि आगामी जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने मुआवजा राशि को अपर्याप्त बताया

मुयमंत्री ने 3.87 लाख किसानों को 267 करोड़ रुपये दिया था मुवावजा

मंदसौर, एजेंसी। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मंदसौर जिले के किसानों के खातों में 267 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि हस्तांतरित की गई। राशि मिलने के बाद कांग्रेस विधायक विपिन जैन ने इसे अपर्याप्त बताया है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री से इस राशि पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

प्राकृतिक आपदा को लेकर मिला मुआवजा

शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से जिले के 3 लाख 87 हजार से अधिक किसानों के खातों में यह राशि भेजी थी। यह मुआवजा प्राकृतिक आपदा, पीला मोजेक रोग और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए था।

विधायक विपिन जैन के अनुसार, मुख्यमंत्री ने स्वयं किसानों की फसलों को हुए नुकसान को स्वीकार किया है। लेकिन किसानों से बातचीत में पता चला कि उनके खातों में 400 से 700 रुपये प्रति बीघा के हिसाब से राशि आई है, जो उनकी लागत भी पूरी तरह नहीं निकाल पा रही है।

3 लाख 20 हजार हेक्टेयर रकबा प्रभावित

विधायक ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि वे इस मामले पर पुनर्विचार करें और किसानों को कम से कम 5 से 6 हजार रुपए प्रति बीघा के हिसाब से मुआवजा राशि प्रदान करें, ताकि उन्हें वास्तविक राहत मिल सके। मंदसौर जिले के 953 गांवों में सोयाबीन की फसल को भारी नुकसान हुआ था, जिससे कुल 3 लाख 20 हजार 119.64 हेक्टेयर रकबा प्रभावित हुआ था।

संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर : तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। चार बार की ओलंपियन तीरंदाज दीपिका कुमारी ने संन्यास की योजनाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व के लक्ष्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के समय दीपिका की उम्र 34 साल हो जायेगी। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि यह ओलंपिक में उनके लिए आखिरी मौका होगा ऐसे में उनकी मानसिकता 'करो या मरो की होगी।

दीपिका ने यहां तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुरुआती दिन कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस अनुभवी तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे पहले भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अक्सर मानसिक रूप से परेशानी होती रही है, जिसकी वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे। उन्होंने कहा, 'मैं विभिन्न तरह की परिस्थितियों को मन में सोच कर अभ्यास कर रही हूं, मानसिक प्रशिक्षण ले रहा हूं। मैं हर समय इस खेल के बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। दीपिका ने ओलंपिक खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारत की पदक की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि कंपाउंड तीरंदाजी अब ओलंपिक का हिस्सा है। हर कोई सोच रहा था कि यह कब होगा और आखिरकार हो ही गया। कई टूर्नामेंटों में हमारे पदकों की संख्या पहले ही बढ़ चुकी है और हमारी कंपाउंड टीम बहुत मजबूत है। दीपिका ने भारत में आयोजित हो रही पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की भी सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से ऐसे कदम की जरूरत थी और इससे देश के तीरंदाजों को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''हम यहीं भारत में एक टूर्नामेंट खेल रहे हैं और मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि पहली बार ऐसी लीग शुरू हुई है। हम इसका लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे।

गगनजीत भुल्लर जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर पहुंचे

जकार्ता, एजेंसी। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर वर्षा से बाधित जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में एक समान पांच अंडर 65 का कार्ड खेल शुक्रवार को दूसरे स्थान पर रहे। भुल्लर अब थाईलैंड के पावित टांगकमोलप्रासर्ट (64-65) से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं, हालांकि दूसरे दिन का खेल अभी पूरा नहीं हुआ है। 37 साल के खिलाड़ी ने पहले दौर की शुरुआत ईगल के साथ की, लेकिन अंधेरा होने के कारण पहने दिन का खेल पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने शुक्रवार को सुबह अपने पहले दौर को पूरा किया और फिर दूसरे दौर के बाद अपना कुल स्कोर 10 अंडर कर लिया। भुल्लर के एशियन टूर पर कुल 11 खिताब हैं, जिनमें से पांच जीतें उन्होंने इंडोनेशिया में हासिल की हैं। अब वह इस देश में अपनी छठी जीत की तलाश में हैं। अन्य भारतीयों में एस. चिक्कारंगप्पा ने पहले राउंड में 69 और दूसरे में 67 का स्कोर किया। वह संयुक्त 26वें स्थान पर है। राहिल गंगजी, खालिन जोशी, विराज मडप्पा , करणदीप कोचर और अजीतेश संधू , एसएसपी चौरसिया और युवराज संधू का दूसरे दौर का खेल खत्म नहीं हुआ है।

दोस्ताना मुकाबलों के लिए लौटारो रिवेरो अर्जेंटीना की टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिवर प्लेट के डिफेंडर लौटारो रिवेरो को अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। लौटारो उन तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मैचों के लिए चुना गया। अर्जेंटीना 10 अक्टूबर को मियामी में वेनेजुएला के खिलाफ खेलेगा। इसके तीन दिन बाद यह टीम शिकागो में प्यूर्टो रिको को चुनौती देगी। रेसिंग क्लब के गोलकीपर फाकुंडो कैम्बेसिस और पाल्मेरास के मिडफील्डर एनीबल मोरेनो को भी पहली बार अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने टीम में जगह दी है। ये मुकाबले इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाने हैं। इनके अलावा, स्कालोनी ने बॉर्नमाउथ के डिफेंडर मार्कोस सेनेसी को एक बार फिर टीम में शामिल किया गया है, जबकि चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज निलंबन के कारण सितंबर में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स से बाहर रहने के बाद एक बार फिर वापसी कर रहे हैं। अर्जेंटीना की टीम में एमिलियानो मार्टिनेज, खेरोनिमो रूली, वाल्टर डेनियल बेनितेज और फाकुंडो कैम्बेसिस को गोलकीपिंग का जिम्मा सौंपा गया है। इस टीम की कमान लियोनेल मेस्सी को सौंपी गई है। खेमे में लिवरपूल के मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फ्रेंको मस्तंतुओनो, एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड जूलियन अल्वारेज और इंटर मिलान के स्ट्राइकर लौटारो मार्टिनेज भी शामिल हैं। लियोनेल मेस्सी गोट टूर 2025 के लिए दिसंबर में भारत आने की पुष्टि कर चुके हैं। चार शहरों का यह दौरा 13 दिसंबर को कोलकाता से शुरू होगा, जिसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में समाप्त होगा।

अर्जेंटीना की टीम: गोलकीपर~ एमिलियानो मार्टिनेज, वाल्टर डेनियल बेनितेज, खेरोनिमो रूली और फाकुंडो कैम्बेसिस।

डिफेंडर: गोंजालो मोंटिएल, नहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, लियोनार्डो बालरडी, निकोलस ओटामेंडी, मार्कोस सेनेसी, लौटारो रिवेरो, निकोलस टग्लिआफिको और मार्कोस एक्यूना।

मिडफील्डर: लिएंड्रो परेडेस, एनीबल मोरेनो, रोड्रिगो डी पॉल, एंजो फर्नांडीज, निकोलस पाज, जियोवानी लो सेल्सो, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, थियागो अल्माडा और फ्रेंको मस्तंतुओनो।

फॉरवर्ड: गिउलिआनो शिमोन, निकोलस गोंजालेज, लियोनेल मेस्सी, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज।

निहाल सरीन पहुँचे 2700 रेटिंग क्लब में , भारत के दसवें शतरंज खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के रहने वाले भारत के 21 वर्षीय ग्रांड मास्टर निहाल सरीन नें अंततः अपने खेल जीवन का एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। अक्टूबर 2025 की प्रकाशित फीडे रेटिंग सूची में निहाल पहली बार 2700 रेटिंग पर पहुँच गए है और ऐसा करने वाले वे भारत के दसवें शतरंज खिलाड़ी बन गए। निहाल नें यह उपलब्धि फीडे ग्रांड स्विस 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9.9 एलो अंक हासिल कर पाई। इससे पहले निहाल लाइव रेटिंग में 2700 के पार पहुंचे जरूर थे पर आधिकारिक रेटिंग आने तक वह उसे कायम नहीं रख पाये थे । निहाल से पहले विश्वनाथन आनंद , कृष्णन शशिकिरण , पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती , अधिबन भास्करन, डी गुकेश , अर्जुन एरीगैसी , आर प्रज्ञानन्दा और अरविंद चितांबरम यह मुकाम हासिल कर चुके है , वर्तमान में भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसके सात खिलाड़ी 2700 रेटिंग के अधिक के है । भारत के शीर्ष खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। अर्जुन एरीगैसी 1.5 एलो अंक जोड़कर विश्व नंबर 4 पर लौट आए जबकि आर प्रज्ञानन्दा एक स्थान फिसलकर विश्व नंबर 5 पर आ गए। विश्व चैम्पियन डी गुकेश मई 2024 के बाद पहली बार विश्व टॉप 10 से बाहर हो गए। इसके बावजूद भारत के छह खिलाड़ी अब भी विश्व टॉप 30 में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ी लगातार चमक बिखेर रही हैं। फीडे महिला विश्व कप विजेता ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख फीडे ग्रांड स्विस ओपन में शानदार प्रदर्शन कर विश्व नंबर 11 पर लौट आई। वहीं ग्रांड मास्टर आर वैशाली नें लगातार दूसरी बार फीडे ग्रांड स्विस महिला वर्ग का खिताब जीतकर 19.6 एलो अंक जोड़े और विश्व नंबर 15 पर पहुँच गई है ।

अहमदाबाद टेस्ट में टीम इंडिया की शानदार जीत

वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया

भारतीय गेंदबाजों का दबदबा

भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने दूसरी पारी में चार विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट हासिल किए। कुलदीप यादव को दो और वॉशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला। भारतीय गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया और तीसरे दिन ही मैच का नतीजा निकाल लिया।

अगला मुकाबला

सीरीज का दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली में शुरू होगा। भारत इस जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त ले चुका है और अगले मैच में भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद है। वेस्टइंडीज की टीम को अपनी बल्लेबाजी और रणनीति में सुधार करना होगा ताकि वे भारतीय चुनौती का सामना कर सकें।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेहमान टीम को पारी और 140 रनों से करारी शिकस्त दी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रवींद्र जडेजा ने ऑलराउंड प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा।

उन्होंने शानदार शतक जड़ने के साथ-साथ वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में चार महत्वपूर्ण विकेट भी चटकाए। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत की पहली पारी में विशाल स्कोर: भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 448 रन बनाकर पारी घोषित की। इस स्कोर में रवींद्र जडेजा के शतक ने अहम भूमिका निभाई। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी महज 162 रनों पर सिमट गई, जिससे भारत को 286 रनों की विशाल बढ़त हासिल हुई।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में भी लचर प्रदर्शन: खेल के तीसरे दिन (4 अक्टूबर) लंच के बाद वेस्टइंडीज की दूसरी पारी केवल 146 रनों पर ढेर हो गई। मेहमान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 50 रन के अंदर ही उनके पांच विकेट गिर चुके थे। रवींद्र जडेजा ने जॉन कैम्पबेल (14 रन), ब्रैंडन किंग (5 रन) और शाई होप (1 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (8 रन) को आउट किया, जबकि चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने कप्तान रोस्टन चेज को सस्ते में निपटाया।

पांच विकेट गिरने के बाद एलिक अथानाज (38 रन) और जस्टिन ग्रीव्स (25 रन) ने छठे विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी की, जो वेस्टइंडीज की पारी में सबसे बड़ी साझेदारी रही। हालांकि, इस साझेदारी के टूटते ही वेस्टइंडीज की हार तय हो गई।

डायरी लिखो और खुद को बेस्ट मानो

अभिषेक ने बताया धवन का मैच विनर मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में 314 रन बनाकर टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब उन्होंने खुलासा किया है कि उनके करियर को नई दिशा देने में दिग्गज ओपनर शिखर धवन की बड़ी भूमिका रही।

अभिषेक ने बताया कि धवन ने उन्हें अपने घर बुलाया और कहा, मैनिफेस्टेशन बहुत जरूरी है। खुद को ऐसे सोचो जैसे तुम पहले ही कर चुके हो। धवन ने उन्हें डायरी लिखने की सलाह दी, जिसमें अभिषेक रोज यह लिखते थे कि वे भारत के लिए मैच जीत चुके हैं और देश के बेस्ट खिलाड़ी हैं। इस आदत ने उनकी मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को और बढ़ाया।

आईपीएल में खास सेलिब्रेशन

अभिषेक ने आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 141 रनों की पारी के दौरान अपने शतक को अनोखे अंदाज में सेलिब्रेट किया। उन्होंने जेब से एक चिट निकाली जिस पर लिखा था, यह ऑरेंज आर्मी के लिए है। अभिषेक ने बताया कि वे मैच से पहले डायरी लिखते हैं, लेकिन उस दिन उन्होंने एक चिट लिखकर जेब में रख ली थी। शतक के बाद उन्होंने उसे दर्शकों को दिखाकर जश्न मनाया।

एशिया कप के बाद नई चुनौती

एशिया कप के बाद अभिषेक इंडिया-ए के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेले, जहा वे पहली गेंद पर ही आउट हो गए। अब वे भारत की सीनियर टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पाच मैचों की टी20 सीरीज में नजर आएंगे।

ट्रॉफी न लेने पर भारत को चुनौती देने वाले मोहसिन नकवी को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और गृह मंत्री मोहसिन नकवी को जल्द ही शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो

उत्कृष्टता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें हाल ही में हुए एशिया कप फाइनल 2025 के ट्रॉफी समारोह में उनके सिद्धांतवादी और साहसी रुख के लिए दिया जा रहा है, जिसकी एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए सामने आई है। नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। आयोजकों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे राजनीतिक और खेल तनाव के बावजूद नकवी के कार्यों ने राष्ट्रीय गौरव को बहाल किया है।

फाइनल में क्या हुआ था?: एशिया कप फाइनल 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम ने जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इस कदम को बड़े पैमाने पर एक राजनीतिक संदेश के रूप में देखा गया। जवाब में नकवी ने ट्रॉफी अपने पास रख ली और बाद में सोशल मीडिया पर कहा कि अगर भारतीय टीम चाहे तो वह एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी ले सकती है। रिपोर्टों के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नकवी के इस कदम पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद नकवी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया था, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है और न ही मैं बीसीसीआई से माफ़ी मांगूंगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरा : वनडे सीरीज में रोहित और विराट की वापसी तय, संजू सैमसन को भी मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा जल्द हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज से कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की लंबे समय बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होने वाली है। टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके रोहित और विराट ने आखिरी बार भारत के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल खेला था, जिसमें न्यूजीलैंड को हराकर भारतीय टीम चैंपियन रही थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे और 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक चयनकर्ता शनिवार को दोनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए एक साथ टीम का चयन कर सकते हैं। चयनकर्ता के रूप में आरपी सिंह और प्रज्ञान ओझा भी शामिल होंगे। दोनों को 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में पांच सदस्यीय चयन समिति के नए सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक, दौरे के लिए चुने जाने की दौड़ में शामिल सभी खिलाड़ियों की फिटनेस स्थिति की लगातार जांच हो रही है। अब चयनकर्ताओं पर निर्भर है कि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए किस प्रारूप में किसे चुनते हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली आईपीएल के बाद क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन दोनों लगातार वनडे सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। रोहित अपनी बल्लेबाजी और फिटनेस पर कुछ काम करने के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) भी गए थे।

संजू सैमसन को वनडे में बैकअप विकेटकीपर के रूप में रखा जा सकता है। वहीं, इंजर्ड हार्दिक पांड्या की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिल सकता है। ध्रुव जुरेल ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाकर अपना दावा मजबूत किया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि गिल, बुमराह और कुलदीप को दौरे की शुरुआत में या बीच में कितना आराम दिया जाता है, क्योंकि भारत को 14 नवंबर से कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के तीन मैच 19, 23 और 25 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी।

भारत 'ए महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी, इन खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 'ए महिला हॉकी टीम चीन के दौरे पर 13 से 21 अक्टूबर तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी। ये सभी मुकाबले दालियान के लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा भारतीय महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें उभरती हुई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मैच अभ्यास हासिल कर सकेंगी। आठ दिन के इस दौरे पर टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को लियाओनिंग टीम को चुनौती देगी। इस दौरे का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खुद को परखने और नयी चुनौतियों के लिए तैयार करने का मौका देना है। अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान टीम की कमान संभालेंगी जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच डेव स्मोलेनार्स इस दौरे के लिए मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। स्मोलेनार्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने एक मजबूत और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली यह श्रृंखला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का शानदार मौका देगी।

भारत 'ए टीम :

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर : मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजूर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दीपी मोनिका टोप्पो

फॉरवर्ड : अलबेला रानी टोप्पो, रितिका सिंह, अन्नू, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपडकर, सेलेस्टिना होरो।

जिले में हो रही कफ सिरप की जांच, छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत के बाद प्रशासन अलर्ट

कोल्ड्रिफ कहीं मिले तो जब्त करे : डिप्टी सीएम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से बच्चों की हुई मौत के बाद पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसी क्रम में रीवा जिले में भी अस्पतालों और दवा दुकानों पर कफ सिरप की जांच शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि मरीजों को दी जाने वाली कफ सिरप गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरे।

संजय गांधी अस्पताल में सभी कफ सिरप की जांच: रीवा संभाग के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने बताया कि अस्पताल में उपयोग की जा रही सभी कफ सिरप की जांच की जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार इस काम में लगी हुई है ताकि किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा की घटना के बाद अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है।

राज्यभर में लगा प्रतिबंध: स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराई गई जांच में सामने आया है कि छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत जिस सिरप से हुई, उसमें डाय-एथिलीन ग्लाइकॉल (48.6% 2/1) नामक जहरीला रसायन पाया गया। यह रसायन शरीर के लिए बेहद घातक है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूरे मध्यप्रदेश में Coldrif Syrup की बिक्री और वितरण पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

रीवा में विशेष निगरानी, विधायक और डिप्टी सीएम ने दी जानकारी: शनिवार को रीवा में मौजूद डिप्टी सीएम और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी इस मुद्दे पर गंभीरता जताई। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत बेहद दुखद और पीड़ादायक है। इस घटना ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है।

राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि यदि Coldrif Syrup कहीं भी उपलब्ध मिलता है, तो उसे तुरंत जब्त किया जाए, लेकिन नष्ट न किया जाए, ताकि जांच की जा सके। इसके साथ ही Sresan Pharmaceutical (Kanchipuram, Tamil Nadu) द्वारा बनाई गई अन्य दवाओं पर भी रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

संदिग्ध दवाओं के सैंपल भेजे: स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि संदिग्ध बैचों के सैंपल प्रदेशभर से एकत्र कर जांच प्रयोगशालाओं में भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा, अन्य बैचों की उपलब्धता पर भी रोक लगाई गई है। किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, इसके लिए सख्त निगरानी रखी जा रही है।

राज्य स्तर पर विशेष जांच टीम गठित: मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए राज्य स्तर पर एक विशेष टीम गठित की गई है, जो छिंदवाड़ा की घटना के साथ-साथ अन्य जिलों में भी स्थिति की समीक्षा करेगी।

रीवा में अवैध सिरप की बिक्री पहले से चिंता का विषय: गौरतलब है कि रीवा पहले से ही अवैध और नशीली कफ सिरप की बिक्री को लेकर चर्चा में रहा है। ऐसे में छिंदवाड़ा की घटना के बाद यहां जांच को और भी गंभीरता से लिया जा रहा है।

घर से 25 हजार नकद और जेवरात चोरी, तीसरी बार हुई वारदात; पहले भी दो शिकायतें दर्ज कराएं

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। शहर के वार्ड क्रमांक 3 स्थित शिवेंद्र पांडे के घर में दिनदहाड़े चोरी हो गई। चोरों ने ताले तोड़कर 25 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे से शाम 5 बजे के बीच हुई, जब घर पर कोई मौजूद नहीं था। पीड़ित शिवेंद्र पांडे शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे अपने गृह ग्राम पकरा गए थे। शाम करीब 5 बजे जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर की बाउंड्री का ताला टूटा हुआ था और मुख्य दरवाजा खुला पड़ा था। घर के अंदर जाने पर पता चला कि मुख्य दरवाजे और कमरे के सभी ताले टूटे हुए थे। चोरों ने घर का सारा सामान बिखेर दिया था, अलमारी खुली थी और कपड़े नीचे गिरे पड़े थे। अलमारी में रखे 25 हजार रुपए नकद, तीन जोड़ी पायल और तीन नग सोने के जेवरात चोरी हुए हैं।

पहले भी दो बार हुई चोरी: पीड़ित ने बताया कि उनके घर में चोरी की यह तीसरी घटना है। इससे पहले बीते वर्ष दो बार चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, जिनकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी, लेकिन उनका अब तक कोई खुलासा नहीं हुआ है। सूचना मिलते ही मऊगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कार्यों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नगर भ्रमण के दौरान लोक निर्माण विभाग के निर्माणाधीन संयुक्त कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को भवन का शेष निर्माण कार्य एक माह में पूरा कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराकर भवन का विधिवत लोकार्पण कराएं। लोक निर्माण विभाग के नवीन परिसर में सभी प्रमुख कार्यालय संचालित होने लगेंगे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने व्यंकट क्लब परिसर में निर्माणाधीन क्लब भवन का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने भवन का शीघ्र लोकार्पण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय लोक निर्माण विभाग तथा हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर के भीतर पड़ी नशीली सिरप की सैकड़ों शीशियां

अधिवक्ता बोले-अब अधिकारी-कर्मचारी भी चपेट में, रीवा में थाना प्रभारी बोले-कार्यवाही करेंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय परिसर इन दिनों असामाजिक तत्वों का अड्डा बना है। खनिज कार्यालय और कॉफी हाउस के पास चारों तरफ नशीली सिरप की सैकड़ों शीशियां पड़ी हुई हैं। इसके अलावा नशीली टैबलेट, शराब की बोतलें और डिस्पोजल कलेक्ट्रेट परिसर और शहर की साख पर बट्टा लगाने का काम कर रहा है।

हालांकि पुलिस अब मामले के संज्ञान में आने के बाद अब कार्यवाही और नकेल कसने की बात कर रही है। थाना प्रभारी ने ऐसे असामाजिक तत्त्वों को चेतावनी दी है कि वो सुधर जाए और कलेक्ट्रेट परिसर या अन्य किसी भी स्थान पर इस तरह की गतिविधि न करें। नहीं तो उन पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

पूरे मामले में अधिवक्ता बीके माला के कहा कि जिस तरह से कलेक्ट्रेट परिसर के भीतर सैकड़ों की संख्या में कोरेक्स की शीशियां पड़ी हुई हैं और कैमरे में कैद हुई हैं। उनको देखकर यही लगता है कि रीवा धीरे धीरे कोरेक्स सिटी बना जाएगा।

शहर का सबसे महफूज माना जाने वाला स्थान जहां 200 से अधिक की संख्या में शासकीय विभाग मौजूद हैं। वहां जब इस तरह के हालात हैं तो आम जगहों और गाली मोहल्लों का भला क्या होगा।

प्रशासन यह दावा करता है कि नशीली सिरप में अवैध सिरप की बिक्री प्रतिबंधित है और प्रशासन सख्ती से कार्यवाही कर रहा है... तो कलेक्टर कार्यालय परिसर के भीतर यह नशीली सिरप की शीशियां कहां से आ रही हैं। क्या अधिकारी कर्मचारी भी अब इनका सेवन कर रहे हैं।

पूरे मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा का कहना है कि आपके माध्यम से मामला संज्ञान में आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसे लोगों पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

ग्रामीण बैंक ने देश के विकास में योगदान देते हुए पूरे किए स्वर्णिम 50 वर्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सन 1975 से शुरू हुए। देश में 2 अक्टूबर 1975 को प्रथमा ग्रामीण बैंक मुरादाबाद उत्तर प्रदेश सहित पांच क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना की गई। ग्रामीण बैंक की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में बैंकिंग सुविधाओं से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत पर छोटे किसानों खेतिहर मजदूरों छोटे व्यापारियों एवं उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं के साथ-साथ उनकी साख एवं ऋण सुविधाओं को उपलब्ध कराना था। ग्रामीण बैंकों ने 2 अक्टूबर 2025 को देश के विकास में योगदान देते हुए अपने स्वर्णिम 50 वर्ष पूरे किए। ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाओं के विकास, बचत, पूंजी निवेश और गरीबों को शासन की योजनाओं का लाभ देने में ग्रामीण बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण और सराहनीय रही।

ग्रामीण बैंक के विलय के चौथे चरण में भारत के 26 राज्यों दो केंद्र शासित प्रदेश में 43 ग्रामीण बैंक कार्यरत थे जो 1 मई 2025 से 26 राज्य एवं दो केंद्र शासित प्रदेश में विलय के पश्चात 28 ग्रामीण बैंक की 700 जिलों में लगभग 22000 से अधिक शाखाएं कार्यरत हैं। ग्रामीण बैंकों में वर्तमान में लगभग वही सुविधाएं आमजनता को दी जा रही हैं जो राष्ट्रीयकृत बैंकों से प्राप्त होते हैं। ग्रामीण बैंक शासन और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियंत्रण में बैंकिंग व्यवसाय कर रहे हैं। इन 50 वर्षों में ग्रामीण बैंकों के स्थानीय सेवायुक्तों द्वारा अपनी स्थानीय बोली भाषा व्यवहार खान-पान वेशभूषा से स्थानीय गरीब किसान मजदूरों के बीच अच्छी छवि एवं पैठ बनाकर ग्रामीण बैंकों का व्यवसाय उत्तरोत्तर वृद्धि की ओर ले गए वित्तीय वर्ष 2021-22 में ग्रामीण बैंक की कुल जमा राशि 5.62 लाख करोड़ थी जो वित्तीय वर्ष 23-24 मैं बढ़कर 8.40 लाख करोड़ हो गई वित्तीय वर्ष 2023 24 में बैंक का समेकित शुद्ध लाभ 7571 करोड़ तक पहुंच गया।

घरों में हेलमेट पहनकर विरोध कर रहे ग्रामीण, शंकरपुर महेवा में पत्थर ब्लास्टिंग से दहशत; लोग बोले- अब गांव छोड़ना मजबूरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शंकरपुर महेवा गांव के लोग इन दिनों डर और दहशत के साए में जीवन गुजार रहे हैं। वजह है गांव के पास चल रही क्रेशर मशीनों की ब्लास्टिंग, जिससे कभी भी पत्थर का टुकड़ा उड़कर किसी के घर या सिर पर गिर सकता है। प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ ग्रामीणों ने अब हेलमेट पहनकर और थाली बजाकर विरोध जताना शुरू किया है। उनका यह अनोखा विरोध सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ब्लास्टिंग से घरों में गिर रहे पत्थर, दरारें तक आ गईं: ग्रामीणों का कहना है कि पास में चल रही क्रेशर यूनिटें मनमाने ढंग से ब्लास्टिंग कर रही हैं, जिससे पत्थर टूटकर घरों में गिरते हैं। कई मकानों में दरारें पड़ गई हैं, और कच्चे घर गिरने की कगार पर हैं। लोगों को हमेशा यह डर सताता है कि कहीं कोई पत्थर सिर पर न गिर जाए, इसलिए कई लोग अब घरों के अंदर भी हेलमेट पहनकर रह रहे हैं।

न इंसान सुरक्षित, न मवेशी: स्थानीय निवासी अमन पटेल और रामलली पटेल ने बताया कि क्रेशर मशीनों से निकलने वाली धूल और धुआं लोगों की सांसों को भी दूषित कर रहे हैं। वहीं, ब्लास्टिंग की तेज आवाज से पशु भी डर जाते हैं, जिससे गांव का हर जीव असुरक्षित महसूस कर रहा है।

सरकार की गाइडलाइन की उड़ रही धज्जियां: ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्रेशर यूनिटों का संचालन शासन की गाइडलाइन के विपरीत किया जा रहा है। न तो पर्यावरण के मानकों का पालन किया जा रहा है, न ही सुरक्षा के। अनियंत्रित ब्लास्टिंग से लोगों की जान को खतरा बना हुआ है, लेकिन प्रशासन अब तक मौन है।

ग्रामीणों की चेतावनी- छह महीने बाद गांव छोड़ देंगे: ग्रामीण रंजीत पटेल का कहना है कि अगर जल्दी ही कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो छह महीने बाद गांव छोड़ना पड़ेगा। उनका कहना है कि वह बार-बार प्रशासन को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

अनोखे तरीके से कर रहे विरोध: प्रशासन की निष्क्रियता के बीच ग्रामीणों ने विरोध के अनोखे और प्रतीकात्मक तरीके अपनाए हैं। कभी हेलमेट पहनकर, तो कभी थाली बजाकर, सोशल मीडिया के माध्यम से वे अपनी पीड़ा और डर को आवाज दे रहे हैं।

2 घंटे तड़पा 13 साल का मासूम, एडमिट नहीं किया

अस्पताल में हाथ में बॉटल संभाले खड़े रहे परिजन, सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल में 13 साल का मासूम इलाज के लिए तड़पता रहा। अस्पताल स्टाफ 2 घंटे उसे एडमिट करने के बजाय यहां-वहां करते रहे। परिजन जब काफी परेशान हो गए तब मासूम को बॉटल लगाई गई। उस बॉटल को महिला ऊपर करके खड़ी रही। मामला रीवा के संजय गांधी अस्पताल में शनिवार का है। हालांकि अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर राहुल मिश्रा ने पूरे मामले में कड़ी नाराजगी जताई है और जांच बिठा दी है।

परिजन बोले- बच्चे पर बिजली गिरी: परिजनों ने बताया कि बच्चे के ऊपर बिजली गिरी है। बहुत मिन्नतें करने पर बच्चे को एक बॉटल लगा दिया गया। जिसके बाद एडमिट न करने की वजह से परिजन हाथ में बॉटल लेकर खुद खड़े रहे।

वार्डों में यहां से वहां करते रहा स्टाफ: परिजनों के मुताबिक पहले उन्हें बर्न वॉर्ड भेजा गया। जहां बच्चे को एडमिट करने से मना कर दिया गया। बाद में बच्चे को 7 नंबर वॉर्ड में भेजा गया। लेकिन वहां भी भर्ती नहीं किया गया। जिसके बाद परिजन बच्चे को लेकर खड़े रहे और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में फोन कर वहीं से शिकायत की। तब जाकर 2 घंटे की देरी से बच्चे को किसी कदर बच्चा वॉर्ड में भर्ती किया गया। तब तक उसकी हालत काफी बिगड़ चुकी थी। जो अब वेंटिलेटर पर है।

पहले महोबा में भर्ती रहा मासूम: परिजनों के मुताबिक महोबा ननोरा में 30 अगस्त को बिजली गिरी थी। जिसमें महोबा जिला अस्पताल में बच्चे को एडमिट किया गया था। तबीयत ठीक होने के बाद बच्चा पन्ना में था। अचानक तबीयत बिगड़ी और पन्ना के जिला अस्पताल में एडमिट किया गया। जहां से डॉक्टर्स ने उसे रीवा के लिए रेफर कर दिया गया था। मनीष साहू की उम्र महज 13 साल है। जो अब अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है। हालांकि पूरे मामले में अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर राहुल मिश्रा का कहना है कि लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित पत्रों का निराकरण करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि समाधान ऑनलाइन में अक्टूबर माह के लिए एजेण्डा बिन्दु तय कर दिए गए हैं। इनमें किसान क्रेडिट कार्ड, रासायनिक खाद और बीज का वितरण, नलजल योजनाओं से पानी की आपूर्ति, नवीन राशनकार्ड जारी करना एवं कर्मकार कल्याण मण्डल संबल योजना में मजदूरों के पंजीयन शामिल हैं। इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, मेडिकल कालेज में प्रसूति सहायता योजना से राशि न मिलने, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति के वितरण तथा सरकार विभिन्न पोर्टलों के उपयोग में हो रही असुविधा से संबंधित आवेदन पत्र शामिल रहेंगे।

जनता की सुरक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध, दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि राज्य सरकार जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। औषधियों की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस मामले में कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्पष्ट किया कि प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में नहीं छोड़ा जाएगा। आमजन को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय औषधियाँ उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में प्रदेश सरकार लगातार सतर्क और सजग रहते हुए दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि 26 से 28 सितम्बर तक जिला छिंदवाड़ा में औषधि निरीक्षकों की टीम द्वारा औषधि विक्रय संस्थानों एवं अस्पतालों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में प्राप्त अनियमितताओं पर गंभीरता से संज्ञान लेकर अब तक कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इस दौरान कुल 19 औषधि नमूने संकलित कर शासकीय परीक्षण प्रयोगशालाओं को भेजे गए हैं।

जनहित को दृष्टिगत रखते हुए 30 सितम्बर को छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप और नास्ट्रो-डीएस के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई गई। 30 सितम्बर को ही इंदौर स्थित आर्क फार्मास्यूटिकल्स के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर डिफ्रॉस्ट सिरप बैच नं. 11198 को बाजार से रिकॉल करने के निर्देश दिए गए। औषधि महानियंत्रक (भारत सरकार), नई दिल्ली तथा संबंधित राज्यों हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के औषधि नियंत्रकों को 1 अक्टूबर को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के लिए कहा गया। साथ ही जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट और मंडला जिलों के औषधि निरीक्षकों को सम्मिलित कर 1 अक्टूबर को विशेष जांच दल गठित किया गया।

समस्त औषधि निर्माताओं, औषधि निरीक्षकों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा मेडिकल कॉलेजों के डीन को 1 अक्टूबर 2025 को क्लोर फ़ेनिरामाइन मलेट एवं फ़ेनाइलफ़्रिन एचसीएल के उपयोग के संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है। जबलपुर स्थित कटारिया फार्मास्यूटिकल्स पर कार्रवाई करते हुए 2 अक्टूबर को कोल्ड्रिफ सिरप की 66 बोतलों में से 50 बोतलें बिक्री हेतु रोक दी गई और 16 बोतलों का नमूना परीक्षण हेतु संकलित किया गया है। तमिलनाडु औषधि नियंत्रक कार्यालय से कोल्ड्रिफ सिरप (बैच नं. एसआर-13, एमजीएफ. डीटी. 05/2025) को अवमानक घोषित किए जाने की सूचना 4 अक्टूबर को प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर मध्यप्रदेश में इसके विक्रय और वितरण पर 4 अक्टूबर को तत्काल रोक लगा दी गई है। साथ ही उक्त निर्माता फर्म के अन्य सभी उत्पादों पर भी 4 अक्टूबर से निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा और जबलपुर को इस प्रकरण में आगामी कठोर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है।

युवक को निर्वस्त्र घुमाया, शर्म से प्रयागराज भागा

वीडियो सामने आने पर पुलिस ने 3 आरोपी गिरफ्तार किए; चौथे की तलाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के हनुमना थाना क्षेत्र में डेढ़ माह पुराना युवक को निर्वस्त्र घुमाने का वीडियो शनिवार दोपहर सामने आया है। कोन गांव में हुई इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तीनों लोगों को गिरफ्तार किया है।

फरियादी युवक (24) हनुमना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, यह घटना 26 अगस्त को सुबह 9 से 10 बजे के बीच हुई थी। लालमणि कुशवाहा, सोनू उर्फ सोहनलाल कुशवाहा, अनिल कुशवाहा और सुनील कुशवाहा ने उससे शराब पीने के लिए 1200 रुपए मांगे थे।

पैसे न देने पर आरोपियों ने मनीष के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और उसे निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया। उन्होंने इस घटना का वीडियो भी बनाया और धमकी दी कि यदि उसने पुलिस में शिकायत की तो उसे जान से मार देंगे।

दहशत और शर्म के कारण प्रयागराज भागा: फरियादी ने बताया कि उसे रस्सी से बांधकर कई घंटों तक जंगल में रखा गया था। बाद में वह किसी तरह वहां से भागकर प्रयागराज (इलाहाबाद) चला गया था। शुक्रवार को वीडियो सामने आने पर घर वालों ने इसकी जानकारी मुझे दी। इसके बाद मैंने 4 अक्टूबर यहां पहुंचकर दोपहर में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

तीन गिरफ्तार, चौथे की तलाश: पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चौथे आरोपी की तलाश जारी है। यह घटना लगभग डेढ़ महीने पुरानी है, लेकिन इसका वीडियो अब सामने आया है। मामले की विवेचना जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।